दैनिक
प्रातः कालीन
मुरादाबाद से प्रकाशित

क्यूँ न लिखूँ सच

वर्ष :-04
अंक:-221
मुरादाबाद
02 December 2024
(Monday)
पृष्ठ:-08
मूल्य:- 3.00 रुपया

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001
राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

सीएम योगी ने कहा- दहेज प्रथा पर कुठाराघात है सामूहिक विवाह योजना, 1209 जोड़े बंधे विवाह के बंधन में

सीएम योगी ने कहा, आज 1209 जोड़ा विवाह के बंधन में बंध रहे हैं। यह युवक युवतियां समाज में फैले दहेज प्रथा को नकार कर इस योजना में शामिल होकर मिशाल पेश कर रहे हैं। ऐसे आयोजन प्रदेश के हर जिलों में आयोजित किया जा रहा है। पिछले सात साल में प्रदेश में सामूहिक विवाह योजना से जुड़ कर 3 लाख 84 हजार नौ जोड़ा दहेज प्रथा को नकार कर जुड़ चुके हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रदेश सरकार के समाज कल्याण विभाग की तरफ से होने वाला मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह कार्यक्रम एक तरफ सामाजिक

समता का प्रतीक है तो वहीं दूसरी तरफ यह समाज की बड़ी विकृति दहेज प्रथा पर प्रहार भी है। सामूहिक विवाह कार्यक्रम में जाति, मत, मजहब, क्षेत्र, भाषा का कोई बंधन नहीं है। हिंदू, मुस्लिम या अन्य मतावलंबी, सभी अपनी-अपनी परंपरा के अनुरूप विवाह के पवित्र बंधन में जुड़ रहे हैं। साथ ही यह कार्यक्रम दहेज, बाल विवाह और अश्पृश्यता के खिलाफ सरकार द्वारा शुरू की गई एक लड़ाई और अभियान भी है।सीएम योगी रविवार को हिंदुस्तान उर्वरक एवं रसायन लिमिटेड(खाद कारखाना) के परिसर में 1200 जोड़ों के मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह समारोह को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कई बार दहेज के कारण योग्य कन्याएं विवाह बंधन से नहीं जुड़ पाती थीं, ऐसे में सामूहिक विवाह कार्यक्रम से जुड़ने वाले सभी युवक-युवतियों ने दहेज न ले-दे कर समाज में आदर्श प्रस्तुत किया है। उन्होंने बताया कि प्रदेश सरकार मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत वर्ष 2017 से अब तक सात साल में 3 लाख 84 हजार शादियां करा चुकी है। यह सत्र संपन्न होने पर यह संख्या 4 लाख से अधिक हो चुकी होगी। सीएम योगी ने कहा कि गरीब बेटियों को दहेज के भेड़ियों से बचाने के लिए मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह के कार्यक्रम हर जिले में हो रहे हैं। सरकार की मंशा है कि कोई बेटी दहेज के कारण अनव्याही न रहे। इसके लिए ही सामूहिक विवाह कार्यक्रम को अभियान रूप में चलाया जा रहा है।अच्छी सरकार में होते हैं अच्छे कार्य- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जब अच्छी सरकार होती है तो अच्छे कार्य होते हैं। 2014 में जब नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री बने तो उन्होंने अच्छे कार्यों की श्रृंखला खड़ी कर दी। महिलाओं के लिए बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ जैसी योजना चलाई, नारी गरिमा की रक्षा के लिए गांव-गांव, घर-घर व्यक्तिगत शौचालय बनवाए। मुफ्त रसोई गैस कनेक्शन दिए, मुफ्त राशन और जिनके पास आवास नहीं तेज़ उन्हें आवास दिए। बीमारी के उपचार के लिए पांच लाख रुपये तक के इलाज लिए आयुष्मान कार्ड दिए। जबकि पहले घरों में शौचालय न होने से नारी गरिमा पर आंच आती थी। लकड़ी और कोयले के धुएं से निकलने वाली खतरनाक गैस से महिलाओं की आंख और फेफड़े खराब होते थे। आज हर घर सिलेंडर होने से यह दिक्कत दूर हो ही गई है, साथ ही सरकार दिवाली और होली में मुफ्त सिलेंडर दे रही है। सीएम ने कहा कि सरकार हर तबके को लाभान्वित कर रही है। श्रमिकों के बच्चों की मुफ्त शिक्षा के लिए अटल आवासीय विद्यालय चल रहे हैं, निराश्रित, दिव्यांगजन आदि 1 करोड़ लोगों को 12 हजार रुपये सालाना पेंशन दिया जा रहा है। कन्या सुमंगला योजना के तहत 20 लाख बेटियों के स्वावलंबन के लिए 25 हजार रुपये का पैकेज दिया गया है।ऐसा उत्सव जिसमें खुद मुख्यमंत्री कई जनप्रतिनिधियों संग आए- सीएम योगी ने सामूहिक विवाह के कार्यक्रम को एक ऐसा उत्सव बताया जिसमें मुख्यमंत्री खुद आए और साथ में कई जनप्रतिनिधि भी। उन्होंने कहा कि किसी एक शादी में उनके लिए समय निकाल पाना मुश्किल होता है लेकिन आज का यह आयोजन ऐसा शुभ व उत्सवी है जहां मुख्यमंत्री और कई जनप्रतिनिधि आए हैं। उन्होंने कहा कि आज विवाह बंधन में जुड़ने वाले युवा और उनके अभिभावक इसलिए भी भाग्यशाली हैं कि उनके विवाह का निमंत्रण स्वयं प्रशासन दे रहा है।समाज कल्याण विभाग की तरफ से आयोजित इस समारोह में 1200 जोड़े विवाह के पावन बंधन में बंधे। नवयुगलों में हिंदू, मुस्लिम दोनों शामिल रहे। सभी नव दम्पतियों को आशीर्वाद देते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उनके सुखमय और मंगलमय जीवन की कामना की। इस अवसर पर उन्होंने मंच से दस नवयुगलों को उपहार-शगुन किट भेंट किया। उपहार देने के दौरान मुख्यमंत्री ने जोड़ों से आत्मीय संवाद भी किया। मंच पर जोड़ों को आशीर्वाद देने के अलावा मुख्यमंत्री कार्यक्रम स्थल के मुख्य मंडप में भी गए। मंडप की व्यवस्थाओं का जायजा लेने के साथ उन्होंने नवयुगलों और उनके अभिभावकों को विवाह की शुभकामनाएं दीं। मंडप में मुख्यमंत्री की नजर जब वहां बराती बनकर आए कुछ बच्चों पर पड़ी तो वह मुस्कुरा उठे। उन्होंने उन्हें आशीर्वाद के साथ चॉकलेट दिया। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह समारोह को महापौर डॉ. मंगलेश श्रीवास्तव, चिल्लूपार के विधायक राजेश त्रिपाठी और पिपराइच के विधायक महेंद्रपाल सिंह ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम में विधायक फतेह बहादुर सिंह, विपिन सिंह, डॉ. विमलेश पासवान, प्रदीप शुक्ल, सरवन निषाद, भाजपा के जिलाध्यक्ष युधिष्ठिर सिंह, महानगर अध्यक्ष राजेश गुप्ता आदि भी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

संभल जाएगा कांग्रेस का प्रतिनिधिमंडल, खरगे बोले- सरकार खुद सदन स्थगित कर रही है

दिल्ली में रविवार को आयोजित एक कार्यक्रम के बाद पत्रकारों ने जब कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जन खरगे से पूछा कि, क्या कांग्रेस का कोई प्रतिनिधिमंडल संभल जाएगा? इस पर खरगे ने कहा कि, हां प्रतिनिधि मंडल जाएगा। संभल में हुई हिंसा को लेकर विपक्षी दल उत्तर प्रदेश सरकार पर हमलावर हैं। रविवार को कांग्रेस राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि, कांग्रेस का एक प्रतिनिधिमंडल संभल में लोगों से मिलने जाएगा। इससे पहले शनिवार को समाजवादी पार्टी के प्रतिनिधिमंडल ने संभल जाने की कोशिश की थी। जिसे पुलिस ने रोक दिया था। दिल्ली में रविवार को आयोजित एक कार्यक्रम के बाद पत्रकारों ने जब कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जन खरगे से पूछा कि, क्या कांग्रेस का कोई प्रतिनिधिमंडल संभल जाएगा? इस पर खरगे ने कहा कि, हां प्रतिनिधिमंडल जाएगा।

संसद के समय से पहले स्थगित होने पर मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा, हम सदन नहीं चलने देते ये उनका(सरकार) आरोप है। मेरा आरोप ये है कि 2 मिनट में कार्यवाही स्थगित होती है।

सरकार खुद स्थगित कर रही है। कभी आपने सुना है कि 5 मिनट में कार्यवाही स्थगित हो गई है? इतने लोग वहां चुन कर आए हैं उनकी बात सुने बिना कार्यवाही स्थगित होती है। ये उनकी गलती है हमारी नहीं। विपक्ष को विश्वास में लेकर सदन चलाना चाहिए।

काशी में बोले डिप्टी सीएम: अच्छे काम पर हमारी आत्मा परमात्मा में विलीन हो जाएगी, उनकों 72 हूरें मिलेंगी

उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि हमारे यहां बच्चा जब चलना सीखता है तो उसे अच्छी सीख दी जाती है। उसे बताया जाता है कि यदि पैर के नीचे चींटी आ जाए तो राम-राम बोलो।प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि हम कोई अच्छा काम करेंगे तो हमारी आत्मा परमात्मा में विलीन हो जाएगी। वह अच्छा काम करेंगे और ऊपर जाएंगे तो हूरें मिलेंगी। यह क्या बात हुई? हमारी संस्कृति से जुड़कर देखो और हमारे पदचिन्हों पर चलकर देखो।

उपमुख्यमंत्री शनिवार को काशी आए। एक कार्यक्रम में हिस्सा लेने के बाद उन्होंने पत्रकारों से बात की और कहा कि हमारे यहां बच्चा जब चलना सीखता है तो उसे अच्छी सीख दी जाती है। उसे बताया जाता है कि यदि पैर के नीचे चींटी आ जाए तो राम-राम बोलो। दूसरी तरफ ऐसी विचारधारा के लोग हैं, जिनके बच्चे तीन से छह महीने के होते हैं, तभी से खून खच्चर शुरू हो जाता है। अंतर बिल्कुल साफ है। सपा प्रमुख पर साधा निशाना, बोले- संभल की घटना की जिम्मेदारी लें- उपमुख्यमंत्री ने सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव पर भी निशाना साधा और कहा कि संभल में हुई हिंसक घटना की जिम्मेदारी सपा प्रमुख को लेनी चाहिए। अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई की जगह सपा प्रमुख उनके कृत्यों को छुपाने के लिए तरह-तरह के बयान दे रहे हैं। यह ठीक नहीं है। इसकी निंदा की जानी चाहिए। संभल की घटना में भी सपा नेताओं के नाम सामने आ रहे हैं। सपा में अपराधियों को संरक्षण मिलता है। उनका स्वागत किया जाता है। अब देश-प्रदेश की जनता सपा को जान गई है।जाति, क्षेत्र की बात करने वाले फूट डालकर वोट लेना चाहते हैं यदि हम सभी लोग एकजुट हो जाएं तो हमारे देश को विश्व गुरु बनने से कोई रोक नहीं सकता। जो लोग हमारे बीच जाति, क्षेत्र की बात कर रहे हैं, वह सिर्फ फूट डालकर वोट लेना चाहते हैं। सत्ता हासिल करना चाहते हैं। उनका देश के विकास, लोगों के उत्थान से कोई मतलब नहीं है। इस मौके पर आयुष मंत्री दयाशंकर मिश्र दयालु%%%%, एमएलसी हंसराज विश्वकर्मा, विधायक सौरभ श्रीवास्तव, जिला पंचायत अध्यक्ष पूनम मौर्या, सुरेश सिंह, नवीन कपूर, जगदीश त्रिपाठी, गौरव राठी, शैलेंद्र किशोर, अशोक राय समेत अन्य मौजूद रहे। लोहिया के लोग अब नहीं रहे, सिर्फ सैफई के लोग बचे- उपमुख्यमंत्री ने सपा और कांग्रेस पर पलटवार किया। उन्होंने कहा कि कि अब लोहिया के लोग यहां नहीं रहे, केवल सैफई के लोग बचे हैं। लोकसभा के चुनाव में टिकट तो सैफई के लोग ले गए दूसरे यादव लोग भी नहीं थे। आज जो लोग संविधान की प्रति लेकर घूम रहे हैं, खुद उन्होंने संविधान की हत्या करने में कोई कसर नहीं छोड़ी।

'कांग्रेस लिखकर दे तो असम में गोमांस पर प्रतिबंध लगाने के लिए तैयार हूं', सीएम सरमा का बड़ा एलान

सरमा ने सवाल किया, मैं जानना चाहता हूं कि क्या कांग्रेस मतदाताओं को गोमांस की पेशकश करके ही अब तक सामगुड़ी जीत रही थी। वह सामगुड़ी को अच्छी तरह से जानते हैं। क्या इसका मतलब यह है कि गोमांस की पेशकश करके सामगुड़ी जीता जा सकता है? असम के मुख्यमंत्री हिमंत विस्व शर्मा ने कहा है कि अगर प्रदेश कांग्रेस प्रमुख भूपेन कुमार बोरा उन्हें पत्र लिखकर गोमांस पर प्रतिबंध लगाने का अनुरोध करें तो वह राज्य में गोमांस पर प्रतिबंध लगाने के लिए तैयार हैं। दरअसल मुस्लिम बहुल सामगुड़ी विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव के दौरान भाजपा पर गोमांस बांटने का आरोप लगा है। इस उपचुनाव में भाजपा ने जीत दर्ज की थी। इस सीट पर पहले लगातार पांच बार कांग्रेस को जीत मिली थी। क्या बोले सीएम हिमंत बिस्व सरमा- असम के मुख्यमंत्री से जब शनिवार को जब कांग्रेस के आरोपों पर जवाब मांगा गया तो उन्होंने कहा कि सामगुड़ी सीट 25 साल तक कांग्रेस के पास रही। सामगुड़ी जैसे निर्वाचन क्षेत्र में 27,000 मतों के अंतर से हारना कांग्रेस के इतिहास की सबसे बड़ी शर्म की बात है। यह भाजपा की जीत से ज्यादा कांग्रेस की हार है। मुख्यमंत्री ने कहा कि दुख के बीच रकीबुल हुसैन ने एक अच्छी बात कही कि गोमांस खाना गलत है, है न? उन्होंने कहा है कि मतदाताओं को गोमांस परोसकर कांग्रेस-भाजपा का चुनाव जीतना गलत है। असम सीएम ने कांग्रेस को घेरा- सरमा ने सवाल किया, मैं जानना चाहता हूं कि क्या कांग्रेस मतदाताओं को गोमांस की पेशकश करके ही अब तक सामगुड़ी जीत रही थी। वह सामगुड़ी को अच्छी तरह से जानते हैं। क्या इसका मतलब यह है कि गोमांस की पेशकश करके सामगुड़ी जीता जा सकता है? सीएम सरमा ने कहा, मैं रकीबुल हुसैन से कहना चाहता हूं कि गोमांस पर प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए, क्योंकि उन्होंने खुद कहा है कि यह गलत है। उन्हें मुझे केवल लिखित में देने की जरूरत है कि न तो भाजपा और न ही कांग्रेस को गोमांस के बारे में बोलना चाहिए, बल्कि असम में इसे प्रतिबंधित किया जाना चाहिए। अगर हम ऐसा करते हैं, तो सभी समस्याएं हल हो जाएंगी। असम में कही गोमांस पर प्रतिबंध लगाने की बात- सामगुड़ी सीट पर हुए उपचुनाव में भाजपा के दिप्लू रंजन शर्मा ने कांग्रेस सांसद रकीबुल हुसैन के बेटे तंजील को 24,501 मतों के अंतर से हराया था। मुख्यमंत्री ने कहा कि वह रकीबुल हुसैन के बयान को लेकर गोमांस पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष का रुख जानने के लिए उन्हें पत्र लिखेंगे। उन्होंने कहा, %मैं भूपेन बोरा को पत्र लिखकर पूछूंगा कि क्या वह भी रकीबुल हुसैन की तरह गोमांस पर प्रतिबंध लगाने का समर्थन करते हैं, और अगर ऐसा है तो मुझे बता दें। मैं गोमांस पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दूंगा। उल्लेखनीय है कि असम में गोमांस का सेवन गैरकानूनी नहीं है, मवेशी संरक्षण अधिनियम 2021 के तहत हिंदू, जैन और सिखों की बहुसंख्या वाले क्षेत्रों तथा किसी मंदिर या वैष्णव मठ के पांच किलोमीटर के दायरे में मवेशी वध और गोमांस की बिक्री पर प्रतिबंध है।

'प्रजनन दर 2.1 से नीचे नहीं जानी चाहिए, वरना...', मोहन भागवत ने जनसंख्या में गिरावट पर जताई चिंता

मोहन भागवत ने कहा कि जनसंख्या 2.1 से नीचे नहीं जानी चाहिए। हमारे देश की जनसंख्या नीति 1998 या 2002 में तय की गई थी। इसमें यह भी कहा गया है कि किसी समाज की जनसंख्या 2.1 से कम नहीं होनी चाहिए।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने जनसंख्या में गिरावट को लेकर चिंता व्यक्त की। उन्होंने आधुनिक जनसंख्या विज्ञान का हवाला देते हुए बताया कि जब किसी समाज की जनसंख्या (प्रजनन दर) 2.1 से नीचे चला जाता है तो वह समाज धीरे-धीरे पृथ्वी से लुप्त होने की कगार पर होता है। संकट न होने पर भी वह समाज नष्ट हो जाता है।

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने कहा, जनसंख्या में गिरावट चिंता का विषय है। आधुनिक जनसंख्या विज्ञान कहता है कि जब किसी समाज की जनसंख्या (प्रजनन दर) 2.1 से नीचे चली जाती है तो वह समाज पृथ्वी से लुप्त हो जाता है। संकट न होने पर भी वह समाज नष्ट हो जाता है। इस तरह अनेक भाषाएं और समाज नष्ट हो गए।

जनसंख्या 2.1 से नीचे नहीं जानी चाहिए। हमारे देश की जनसंख्या नीति 1998 या 2002 में तय की गई थी। इसमें यह भी कहा गया है कि किसी समाज की जनसंख्या 2.1 से कम नहीं होनी चाहिए। जनसंख्या विज्ञान का कहना है कि हमें दो या तीन से अधिक बच्चे पैदा करने की आवश्यकता है। समाज को जीवित रखने के लिए संख्या महत्वपूर्ण है।

संपादकीय Editorial

Don't they remember 1971?

India's Foreign Minister S. Jaishankar will make a statement in both the houses of Parliament on the incidents of murderous attacks on Hindu minorities in Bangladesh and the destruction and burning of their temples. The ministry will also disclose the incidents in Bangladesh before the Parliamentary Standing Committee on Foreign Affairs. Is this attitude of the Indian government enough on the atrocities being committed by the fundamentalist group of Bangladesh and the Hindus? Shouldn't Prime Minister Modi talk in a strict tone to the head of the interim government there, Muhammad Yunus? Shouldn't Bangladesh be reminded of 1971? We don't know what diplomacy says, but we are concerned about the existence of Hindus there. Bengali Hindus are also basically 'Indians'. The worrying concern is that Yunus does not consider the current incidents and murders as 'Hindu atrocities'! The fearless crowds seen on the streets of Bangladesh, the slogans being raised to kill Hindus, the torture being inflicted by the army and police by barging into Hindu homes at night, the kidnappings and conversions being carried out, the way idols of gods and goddesses are being vandalised in temples, are these being done by Hindus themselves? Whether it is the Hindus of India or the Hindus living in Bangladesh, all are believers of Sanatani culture. It is the equal responsibility of Prime Minister Modi to protect their lives and religious freedom. This is not an internal matter of Bangladesh. Minister of State for External Affairs Kirti Vardhan Singh's statement in the Rajya Sabha that it is the responsibility of the government there to protect Hindus and minorities is absolutely wrong. The fundamentalists there want to make Bangladesh Hindu-free. They have also been making such announcements. Hindu professors have been forcibly expelled from local universities. If the government there remains silent and evades, will the Indian government also remain neutral? Perhaps the current generation of Bangladesh does not remember that India had a decisive role in making East Pakistan Bangladesh in 1971. If the Indian Army had not joined the movement of the then 'Muktivahini', then perhaps Bangladesh would not have been formed! This history should be taught to the fearless, unbridled fundamentalist group. The current generation of Bangladesh may not even remember that when 'Bangladesh' was being formed, there was hunger and poverty all around. During that period, it was 'ISKCON' that provided food to lakhs of people daily. In India too, about 12,000 Bangladeshis were fed every day. Even today, 'ISKCON' is running 77 temples in Bangladesh and has more than 75,000 followers. Then the famous sitar player Pandit Ravi Shankar, along with another foreign musician, performed a concert in New York, from which Rs 100 crore was raised for Bangladesh. Can Bangladeshis repay the price of that favor? Will the same ISKCON be labelled as 'terrorist' by the anti-Hindu group? It is a matter of satisfaction and we should be thankful to the court's right and wrong wisdom that the Dhaka High Court refused to ban ISKCON and rejected the government-backed petition. However, the Indian government has the greatest responsibility to ensure the safety of Hindus.

Initiative to open the doors of knowledge, One Nation One Subscription Scheme approved

This initiative of the government will facilitate access to quality higher education and research for the youth of urban as well as rural areas. This new National Education Policy is in line with the goals of Developed India and National Research Foundation which will prove to be a game-changer for Indian education world and youth empowerment. The aim of this scheme is to expand access to research journals for those institutions. The Union Cabinet recently approved a new scheme called One Nation One Subscription (ONOS) with the aim of providing easy access to scholarly research articles and journal publications to students across the country. Through this scheme, about 1.8 crore students, teachers and researchers of the country will be able to get easy access to more than 13,000 e-journals published globally. The ONOS scheme will provide an opportunity to students, researchers and teachers living not only in major metropolitan areas but also in Tier 2 and Tier 3 cities to take advantage of the knowledge being created globally. Earlier, the governments of Germany and Uruguay had introduced equal national access to research material. In fact, scientific and educational progress can be achieved only when access to global knowledge is accessible. Research and development opens the door to a better life for all of us. India has been working to transform a labor-based economy into a skill-based economy in the last few years. During his Independence Day address on August 15, 2022, Prime Minister Narendra Modi talked about the important role of research and development in India's progress and added Jai Anusandhan after Jai Jawan-Jai Kisan-Jai Vigyan. This initiative of the government will facilitate access to quality higher education and research for the youth of urban as well as rural areas. This is in line with the goals of the new National Education Policy, Developed India and National Research Foundation, which will prove to be a game-changer for Indian education world and youth empowerment. The scheme aims to expand access to research journals for institutions that lack adequate resources. This platform is scheduled to be launched on January 1, 2025. This platform will have access to 13,000 journals published by 30 international publishers including Elsevier Science Direct (including Lancet), Springer Nature, Wiley Blackwell Publishing, Taylor & Francis, IEEE, Sage Publishing, American Chemical Society, American Mathematical Society, Oxford University Press, Cambridge University Press and BMJ Journals. Currently, there are ten different library associations under various ministries, which provide access to journals for higher education institutions under their administrative purview. Apart from this, different institutions subscribe to different journals. Subscription to scientific journals is an expensive affair. With the launch of ONOS, it will become very cheap. With all the journals available on a single platform, researchers will not have to wander. According to a data, India spent about Rs 1,500 crore on subscription to electronic and print journals in 2018. India's research publications grew by nearly 54 per cent between 2017 and 2022, more than double the global average (22 per cent), according to research insights database SciVal. India ranks fourth in research journal publications (1.3 million academic papers), just behind China (4.5 million), the US (4.4 million) and the UK (1.4 million), but when it comes to the impact of the research produced, India lags behind in the number of citations and ranks ninth in the world. India's R&D spending is among the lowest in the world, according to a study by government think tank Niti Aayog and the Institute for Competitiveness. Another obstacle to the country's innovation success is the low number of R&D personnel. According to the UNESCO Institute of Statistics, there are only 253 scientists or researchers per million population, which is much lower than developed nations. The private sector contributes less than 40 per cent of the gross expenditure on R&D, while it is more than 70 per cent in advanced countries. There are only 26 Indian companies in the list of top 2,500 global companies in terms of R&D spending in the world. Whereas the number of Chinese companies is 301. This gap needs to be bridged on a priority basis. There is no harm in learning from China to compete with it. Lessons should also be learnt from Israel, which has shown that despite being a small nation, sustainable development can be achieved by prioritising investment in R&D. Private companies in India invest mainly in sales and marketing and do not invest enough resources in R&D. This is the reason why Indian brands are not innovating, due to which Indian manufacturers are not making globally exemplary products and are not able to face the challenge of Chinese companies in the world market. Now the time has come to refocus on R&D for Make in India. India has all the ingredients to become a global driver of innovation, a strong market potential, an exceptionally talented population and a thriving culture of frugal innovation. What is needed is the right guidance to tap this mine of raw talent. A truly strong economy To become a successful nation, the country needs to have a long-term and meaningful knowledge system that powers the economy. The more intellectual property is created, the more jobs will be created.

Local bodies surrounded by inefficiency, misuse of crores of rupees received in the name of development

akarmanyata se ghire sthaaneey nikaay, vikaas ke naam par milee karodon kee dhanaraashi ka durupayog shaharon kee anaginat samasyaon ka to kahana hee kya? dhanaarjan aur jeevikopaarjan ke lie log shaharon kee taraph bhaagate hain. shaharon kee betahaasha badhatee aabaadee se betarateeb hote aavaaseey kshetr atikraman ko janm de rahe hain. nagar nikaay jila prashaasan ya pulis prashaasan ke adhikaaree is par dhyaan nahin dete. ausat janata aur dukaanadaar donon ne apane makaan aur dukaan apane saamane kee sadak tak badha lie hain. daayee maanatee hai. isaka nateeja unhen aagaamee chunaavon mein bhugatana padata hai. mahaatma gaandhee aur lokanaayak jayaprakaash graam svaraaj kee avadhaarana ke purodha the, lekin sanvidhaan banaate samay use sveekaar nahin kiya gaya. 1992 mein sanvidhaan ke 73ven aur 74ven sanshodhanon dvaara graameen star par panchaayat aur shaharee star par nagarapaalika sarakaaron ko sanvaidhaanik maanyata evan adhikaar die gae, jisase gaandhee aur jepee ke sapane saakaar ho saken, lekin un sanvaidhaanik sanshodhanon ke 32 varshon baad bhee sthaaneey sarakaaren aisa kuchh nahin kar paee hain, jisase graameen aur shaharee janata ko raahat mil sake. sanvidhaan ke anuchchhed 243(chh) aur anuchchhed 243(ba) kramashah panchaayaton aur nagar paalikaon ko aarthik-vikaas aur saamaajik nyaay ke lie yojanaen banaane aur unhen laagoo karane ka adhikaar dete hain. sanvidhaan kee anusoochee-11 panchaayaton ko 28 aur nagar paalikaon ko 18 kshetron mein kaam karane ka adhikaar detee hai. aakhir isake baad bhee shaharon aur gaavon kee samasyaen kyon badhatee ja rahee hain? panchaayaten aur nagar paalikaen kendr sarakaar, raajy sarakaar aur kuchh baahy sroton se paryaapt dhan praapt kar rahee hain. aaj chhotee-chhotee panchaayaton ko bhee vikaas ke naam par karodon kee dhanaraashi bhinn-bhinn sroton se milatee hai, par usaka durupayog hota hai. panchaayat pradhaan apane ko minee mukhyamantree samajhane lage hain. anek gaanvon mein ve sarakaaree karmachaariyon aur bainkakarmiyon se saathagaanth karake vikaas ke lie aae us paise mein bhee hissedaaree vasoolate hain, jo kendr aur raajy sarakaaren anek lok-kalyaanakaaree yojanaon ke antargat seedhe gareebon ke janadhan khaate mein bhejatee hain. jitana bada vikaas ka bajat, utana hee bada bhrashtaachaar. is par koee ankush nahin lag pa raha hai, kyonki isamen raajaneetik aur prashaasanik gathajod hai. ab yah kisee se chhipa nahin ki sthaaneey chunaavon mein betahaasha paisa kharch kar janapratinidhi banane vaale vikaas aur kalyaan par dhyaan dene ke sthaan par apanee satta ka durupayog karake agale chunaav ke lie dhanasangrah karane mein lipt ho jaate hain. gaavon kee kaee samasyaon mein ek charchit samasya chhutta-pashuon kee hai, lekin use chunaav ke samay hee uchhaala jaata hai. kya kisee bhee panchaayat ne is samasya ke samaadhaan ke lie koee thos rananeeti banaee hai? uttar pradesh mein yogee sarakaar ne varsh 2023-24 mein 125 karod rupaye chhutta pashuon ke asthaee aavaas, bhojan aur aushadhi ke lie aavantit kie, par kya panchaayat sarakaaron ne is aavantit dhan ka sadupayog kiya, taaki samasya ka samaadhaan ho sake? unakee ruchi isamen rahatee hai ki is yojana se kitana dhan svayan ke lie nikala ja sakata hai. samay aa gaya hai ki is par vichaar kiya jae ki manarega jaisee yojanaen gaavon mein kyon rachanaatmak badalaav nahin la paeen? kuen banaana, taalaab nirmaan, saur oorja, shauchaalay nirmaan, pradhaanamantree aavaas aadi anek yojanaen gaavon ka svaroop badal sakatee hain, par panchaayat pratinidhiyon aur sarakaaree karmachaariyon kee usamen ruchi kahaan? kya kisee panchaayat ne gaanv mein khel-kood, khetee, udyog-dhandhe aur kaarobaar badhaane ke lie koee yojana banaee? ulate paraalee jaisee pradooshan badhaane vaalee naee-naee samasyaen hariyaana, panjaab aadi raajyon mein gambheer ho rahee hain. kya graam panchaayaton ka yah daayitv nahin ki apane-apane kshetron mein ise rokane ke upaay karen aur usaka vaikalpik vyaavasaayik samaadhaan khojen? shaharon kee anaginat samasyaon ka to kahana hee kya? dhanaarjan aur jeevikopaarjan ke lie log shaharon kee taraph bhaagate hain. shaharon kee betahaasha badhatee aabaadee se betarateeb hote aavaaseey kshetr atikraman ko janm de rahe hain. nagar nikaay, jila prashaasan ya pulis prashaasan ke adhikaaree is par dhyaan nahin dete. ausat janata aur dukaanadaar, donon ne apane makaan aur dukaan apane saamane kee sadak tak badha lie hain. paidal chalane vaalon ke lie keval sadak bachee hai, jis par do-pahiya aur chaar-pahiya vaahan tej raphtaar se chalate hain. aksar sadak par hee shaadee-vivaah aur dhaarmik kaaryakramon ka aayojan bhee hone laga hai, jise rokane-tokane vaala koee nahin. itana hee nahin, dheere-dheere log divaidar par bhee baithane, sone aur kapade daalane lage hain, jaise vah unake nivaas ka eksatenshan-kauntar ho. shaharon ke smaart hone ke baavajood kachare ka nistaaran vikaraal svaroop grahan kar raha hai. kendreey pradooshan niyantran bord kee ek riport ke anusaar desh mein ek laakh sattar hajaar tan kachara pratidin nik What to say about the countless problems of cities? People run towards cities to earn money and livelihood. The residential areas becoming haphazard due to the unbridled growing population of cities are giving rise to encroachment. The officials of the Municipal Body, District Administration or Police Administration do not pay attention to this. Both the average public and shopkeepers have extended their houses and shops till the road in front of them. According to the last census, there are about 6.40 lakh villages and 7,935 cities in all the states and union territories of the country. The people living here want solutions to their problems at the local level. The responsibility of solving most of the problems lies with the local governments i.e. panchayats and municipalities.

मुरादाबाद में भीषण सड़क हादसा : ट्रक में घुसा ऑटो, दंपती समेत तीन की मौत...परिवार में मचा कोहराम

मुरादाबाद। शनिवार की रात पाकबड़ा इलाके में भीषण सड़क हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई।

जबकि दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। बताया गया कि आगे चल रहे ट्रक ने अचानक ब्रेक लगा दिए, जिससे पीछे आ रहा ऑटो सीधे ट्रक के पिछले हिस्से से टकरा गया। हादसे में ऑटो चालक शीशपाल, उनकी पत्नी ओमवती, और उनके दोस्त दिलीप कुमार की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद मौके पर चीखपुकार मच गई।सूचना मिलते ही पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंची। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम और घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया है। हादसे की खबर सुनते ही मृतकों के परिवार में कोहराम मच गया।

अमावस्या पर श्रद्धालुओं ने गंगा में डुबकी लगाकर कमाया पुण्य, ब्रजघाट और तिगरी गंगा में पूजा-पाठ

मुरादाबाद। अमावस्या पर रविवार को श्रद्धालुओं ने ब्रजघाट और तिगरी गंगा में स्नान कर पुण्य कमाया। श्रद्धालु तड़के से ही गंगा में डुबकी लगाने के लिए गंगा तट पर पहुंचने लगे थे। उन्होंने गंगा

में स्नान कर धार्मिक अनुष्ठान कराए। तिगरी निवासी पंडित गंगाशरण शर्मा और बुध बाजार स्टेशन रोड निवासी पंडित दयानंद शर्मा के मुताबिक रविवार को मार्गशीष (अगहन) माह की अमावस्या थी। अमावस्या पर गंगा में स्नान कर दान करने का विशेष महत्व है। इसके चलते रविवार को बड़ी संख्या में श्रद्धालु गंगा तट पर पहुंचे। ब्रजघाट और तिगरी में श्रद्धालुओं का जमघट हो गया। श्रद्धालुओं ने हर-हर गंगे के उदघोष संग गंगा में डुबकी लगाई। गंगा मैया के जयकारे व हर-हर गंगे के उदघोष से ब्रजघाट व तिगरी गंगा तट गूंज उठे। गंगा में स्नान करने के बाद श्रद्धालुओं ने धार्मिक अनुष्ठान कराए। तड़के शुरू हुआ गंगा में स्नान का सिलसिला काफी देर तक का चलता रहा। दोपहर बाद तक श्रद्धालुओं के आने जाने का सिलसिला जारी रहा। हाईवे पर लगा जाम, एक घंटे तक फंसे रहे वाहन- अमावस्या पर नेशनल हाईवे पर जाम लग गया। ब्रजघाट गंगा पुल पर लगे जाम में वाहन फंस गए। देखते ही देखते लंबी लाइन लग गई। पुलिसकर्मियों को जाम खुलवाने में खासी परेशानी का सामना करना पड़ा। करीब एक घंटे तक हाईवे पर जाम लगने से वाहन रेंग रेंग कर गुजरते रहे।रविवार को अमावस्या होने के कारण ब्रजघाट गंगा में स्नान करने आए श्रद्धालुओं के कारण जाम लग गया। सार्वजनिक वाहनों से आने जाने वाले श्रद्धालुओं को उतारने और चढ़ाने के लिए गंगा पुल पर वाहन रोकने पड़े। उधर, जो श्रद्धालु अपने वाहनों से आए थे, उन्होंने भी अपनी कारों, बाइकों को बेतरतीब तरीके से जहां तहां खड़ा किया। जल्दी निकलने के चक्कर में जहां मौका मिला, वहां से कोशिश की गई। ऐसे में हाईवे पर जाम लग गया। कुछ ही देर में गंगा पुल पर वाहनों की लाइन लग गई। जाम में फंसे वाहन चालकों को खासी परेशानी का सामना करना पड़ा। पुलिस कर्मियों ने बामुश्किल जाम खुलवाया। जिसके बाद वाहनों ने रफ्तार पकड़ी। सीओ श्वेताभ भास्कर का कहना है कि हाईवे पर जाम जैसी स्थिति बनी थी। इसका कारण वाहनों रफ्तार कम होने के कारण रेंग रेंग कर गुजरते रहे। पुलिस द्वारा व्यवस्था बनवाकर वाहनों को निकलवाया गया।

किशोरी को मस्जिद में बनाया बंधक.. दुष्कर्म का प्रयास, मौलाना समेत दो पकड़े, लोगों ने काटा हंगामा

मुरादाबाद। गुन्नौर पुलिस ने मौलाना और उसके भाई के खिलाफ केस दर्ज कर दोनों को गिरफ्तार कर लिया है। दोनों पर किशोरी को बंधक बना दुष्कर्म के प्रयास का आरोप है। गुन्नौर के एक मोहल्ला की मस्जिद में मौलाना के भाई ने एक किशोरी को बंधक बनाकर दुष्कर्म का प्रयास किया। मामले की जानकारी होने पर लोगों ने जमकर हंगामा किया और किशोरी को बंधनमुक्त कराया। पुलिस ने केस दर्ज कर मौलाना और उसके भाई को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। जहां से जेल भेज दिया है। नगर के एक मोहल्ला स्थित मस्जिद में मदरसा संचालित है। जहां मौलाना साजिद बच्चों को दीनी शिक्षा देता है। शुक्रवार को मौलाना के भाई मुजम्मिल ने मदरसे में पढ़ने वाली एक किशोरी को मस्जिद में ले जाकर बंधक बना लिया और दुष्कर्म का प्रयास किया।आरोपी ने किशोरी को करीब तीन घंटे तक बंधक बनाकर अश्लील हरकत कीं। इसकी जानकारी मोहल्ले के लोगों को हुई तो सैकड़ों लोग मस्जिद में पहुंच गए और आरोपियों से किशोरी का मुक्त कराया। लोगों ने आरोपियों को जमकर पीटा।

द ह्यूमैनिटी फाउंडेशन जाहिदपुर की जानिब से कराया गया शिक्षा क्रान्ति प्रतियोगिता का आयोजन

परीक्षा में जनपद के विद्यार्थियों ने लिया भाग।

क्यूँ न लिखूँ सच -नाजिम हुसैन अंसारी

भगतपुर। रविवार को भगतपुर थाना क्षेत्र स्थित नेहरू मेमोरियल इंटर कॉलेज चांदपुर में, द ह्यूमैनिटी फाउंडेशन जाहिदपुर की जानिब से शिक्षा क्रान्ति प्रतियोगिता का आयोजन कराया गया। इस प्रतियोगिता में परीक्षा के लिए 405 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया, जिसमें प्रथम स्थान माही पुत्री राकेश कुमार, द्वितीय स्थान प्रियांशी पुत्री प्रेमवीर सिंह, तृतीय स्थान मो आसिफ पुत्र राहत जान ने प्राप्त किया, वही टॉप 20 को स्पेशल व सभी प्रतिभागियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया जिसमे पुरस्कार पाकर सभी छात्र-छात्राओं के चेहरे खिल उठे, वही इस दौरान फाउंडेशन के अध्यक्ष फहीम अहमद ने बताया कि ये

परीक्षा हम विगत कई वर्षो से कराते आ रहे हैं, इस परीक्षा का उद्देश्य विद्यार्थियों में प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी और बोर्ड परीक्षा का डर खत्म करना है, ताकि बच्चों में आत्मविश्वास पैदा हो। हमारी संस्था का उद्देश्य हर घर शिक्षा जागृत करना है। ताकि आने वाला कल विद्यार्थियों के लिए सुनहरा अवसर लेकर आए, नेहरू मेमोरियल इंटर कॉलेज में हुई प्रतियोगिता में बच्चों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया, इस दौरान छात्र-छात्राओं में उत्साह देखने को मिला,वही परीक्षा देने पहुंचे छात्र-छात्राओं नें अपने बारे में जानकारी देते हुए कहां उनका सपना पढ़ लिखकर आईएएस, पीसीएस, डॉक्टर, मास्टर बन समाज की सेवा करना है। इस अवसर पर फाउंडेशन के मैनेजर मो रफ़ी, मुख्य अतिथि विशाल कुमार युवा कल्याण अधिकारी मुजफ्फरनगर, समाजसेवी रिज़वान वफ़ाती, इकराम सर, राजा राम सर, सतवीर सर, बलविंदर सर, दीपक सर , मुबारिक सर डॉ रिज़वान शाइस्ता जहां, आशु चौधरी, प्शरीफ अहमद सर आदि उपस्थित रहे।

संभल हिंसा: न्यायिक आयोग की टीम अगले सप्ताह फिर आएगी, अफसरों और पीड़ितों के दर्ज करेगी बयान

मुरादाबाद। संभल बवाल की जांच के लिए न्यायिक आयोग की टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। उन्होंने मस्जिद कमेटी और पुलिस अधिकारियों से जानकारी भी ली। टीम ने जामा मस्जिद और आसपास के इलाकों का मुआयना कर बवाल से जुड़े सवालों के जवाब मांगे। सोमवार को बयान दर्ज कर आगे की जांच की जाएगी। न्यायिक जांच आयोग की टीम रविवार की सुबह 10.30 बजे संभल पहुंची। इसमें आयोग के अध्यक्ष हाईकोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश देवेंद्र अरोड़ा और सदस्य पूर्व डीजीपी एके जैन शामिल थे। सेवानिवृत्त अपर मुख्य सचिव अमित मोहन नहीं पहुंचे। आयोग अध्यक्ष औ सदस्य ने जामा मस्जिद पहुंचकर मस्जिद कमेटी से जानकारी ली। इसके बाद

जामा मस्जिद के उस इलाके में पहुंचे जहां 24 नवंबर को बवाल हुआ था। मस्जिद के आसपास घटनास्थल का मुआयना किया।जहां पुलिस और भीड़ में झड़प हुई थी मौके पर मौजूद एसपी कृष्ण कुमार विश्नोई ने बवाल की जानकारी बिंदुवार बताई। इसके बाद टीम नखासा तिराहा और हिंदूपुरा खेड़ा पहुंची। दोनों स्थानों का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने आयोग की टीम को भीड़ के एकत्र होने और बवाल के बाद लौटने वाले रास्ते दिखाए। इसके टीम लोकनिर्माण विभाग के गेस्ट हाउस पहुंची। वहां कुछ देर तक अधिकारियों से बातचीत की। इसके बाद रवाना हो गई। मुरादाबाद कमिश्नर आंजनेय कुमार सिंह ने बताया कि न्यायिक आयोग की टीम ने अभी घटनास्थल का मौका मुआयना किया है। सोमवार को टीम दोबारा आएगी और बयान दर्ज करने के साथ अन्य कार्रवाई पूरी करेगी। टीम द्वारा जो सवाल पुलिस प्रशासन के अधिकारियों से किए गए उनका जवाब दिया है। मस्जिद कमेटी से भी टीम ने बात की है। मालूम हो 24 नवंबर को संभल जामा मस्जिद का सर्वे होने के दौरान बवाल हो गया था। इस बवाल में पांच लोगों की मौत हो गई थी। इसी मामले की जांच के लिए न्यायिक जांच आयोग का गठन हुआ है।टाइमलाइन सुबह 10.30 टीम संभल कोतवाली पहुंची। सुबह 10.40 बजे जामा मस्जिद के पीछे बवाल वाले स्थान को देखा। सुबह 10.55 बजे जामा मस्जिद में टीम दाखिल हुई। सुबह 11 बजे टीम मस्जिद से बाहर निकल आई। कोतवाली के लिए चली गई सुबह 11.15 बजे नखासा तिराहा पहुंची, 10 मिनट घटनास्थल देखा। सुबह 11.30 बजे हिन्दूपुरा खेड़ा टीम पहुंची। सुबह 11.45 तक घटनास्थल की जानकारी ली। सुबह 11.55 बजे पीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस टीम पहुंची। दोपहर 12.30 बजे एएसपी कार्यालय के लिए टीम रवाना हो गई।दो महीने तक चलेगी जांच, घटना की तह तक पहुंचा जाएगा आयोग के अध्यक्ष हाईकोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश देवेंद्र अरोड़ा ने संभल से जाते हुए मीडिया से कहा कि यह जांच अभी दो महीने तक चलेगी। घटना की तह तक पहुंचा जाएगा। अभी आयोग की टीम ने घटना की प्राथमिक जानकारी हासिल की है और घटनास्थल का मुआयना किया है। जिससे स्थिति को समझा जा सके। अभी तो अधिकारी व आम लोगों के बयान दर्ज होने के साथ ही अन्य कार्रवाई को पूरा किया जाना बाकी है। इसके चलते ही दो महीने का समय लगेगा।

संक्षिप्त समाचार

महिला सिपाही के साथ दबंगों ने की छेड़छाड़, विरोध करने पर पीटा, घटना CCTV में कैद...FIR दर्ज

मुरादाबाद। थाना सिविल लाइन इलाके में महिला सिपाही के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। घटना सीसीटीवी में कैद हो गई। अमरीन नाम की महिला सिपाही के साथ थाना सिविल लाइन क्षेत्र के चक्कर की मिलक में उस समय छेड़छाड़ की घटना हुई जब वो कही जा रही थीं। चौराहे पर खड़े 4-5 युवकों ने पहले तो फब्तियां कसी और फिर अश्लील बातें करते हुए महिला सिपाही को बाइक पर जबरदस्ती बैठने के लिए दबाव बनाने लगे। मना करने पर मारपीट शुरू कर दी और सड़क पर गिरा कर बेरहमी के साथ दबोच लिया। हंगामा और मारपीट होता देख सड़क से गुजर रहे लोगों ने बड़ी मुश्किल से महिला आरक्षी अमरीन को बचाया। लेकिन, इस मारपीट में उसे काफी गम्भीर चोटें आई हैं। पीड़िता सिपाही ने दबंगों के खिलाफ थाना सिविल लाइन में गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया है। दबंगो की पूरी करतूत वहां लगे सीसीटीवी में कैद हो गई है। जिसके आधार पर आरोपियो को जल्दी ही गिरफ्तार करने की बात सामने आई है।

रेलवे को पड़ने लगी कोहरे की मार: 28 फरवरी तक 24 ट्रेनों का संचालन बंद, कंफर्म सीटों को लेकर मचेगी मारामारी

मुरादाबाद। कोहरे के कारण मुरादाबाद मंडल से गुजरने वाली 24 ट्रेनें एक दिसंबर से 28 फरवरी तक रद्द रहेंगी। ट्रेनों की कमी से यात्रियों में सीटों की मारामारी बढ़ने की संभावना है। रेलवे ने सतर्कता बढ़ाते हुए यात्रियों को वैकल्पिक व्यवस्थाओं की सलाह दी है। कोहरे के कारण मुरादाबाद मंडल से गुजरने वाली शहीद, जनसेवा, डबल डेकर एक्सप्रेस समेत 24 ट्रेनों के पहिये थम गए। रेलवे ने इन ट्रेनों को एक दिसंबर यानी रविवार से लेकर 28 फरवरी तक रद्द करने का निर्णय लिया है। लंबे समय तक इन ट्रेनों के रद्द होने से अब दूसरी ट्रेनों में सीटों को लेकर मारामारी मचेगी। जिसे लेकर रेलवे ने सतर्कता बढ़ा दी है। रद्द की गई ट्रेनों में काशी विश्वनाथ, काठगोदाम-दिल्ली एक्सप्रेस शामिल हैं। मुरादाबाद रेलवे स्टेशन से प्रति दिन 75 मेल-एक्सप्रेस ट्रेनें गुजरती हैं।24 ट्रेनें रद्द होने से यह संख्या घटकर 51 रह जाएगी। इनमें लंबे रूट की कोलकाता-अमृतसर-कोलकाता एक्सप्रेस, न्यूजलपाईगुड़ी-नई दिल्ली-न्यूजलपाईगुड़ी समेत अन्य गाड़ियां भी शामिल हैं। यह ट्रेनें की गईं रद्द-14617-18 बनमनखी-अमृतसर जनसेवा एक्सप्रेस 14606-05 योगनगरी ऋषिकेश-जम्मूतवी एक्सप्रेस 14616-15 अमृतसर-लालकुआं-अमृतसर एक्सप्रेस 14524-23 अंबाला-बरौनी-अंबाला एक्सप्रेस 12357-58 कोलकाता-अमृतसर-कोलकाता एक्सप्रेस 12523-24 न्यूजलपाईगुड़ी-नई दिल्ली-न्यूजलपाईगुड़ी 15035-36 दिल्ली-काठगोदाम-दिल्ली एक्सप्रेस 15127-28 वाराणसी-दिल्ली-वाराणसी काशी विश्वनाथ एक्सप्रेस 12583-84 आनंदविहार-लखनऊ-आनंदविहार डबल डेकर एक्सप्रेस 15059-60 लालकुआं-अमृतसर-लालकुआं एक्सप्रेस 18103-04 अमृतसर-टाटानगर-अमृतसर जलियांवाला बाग एक्सप्रेस 15058-57 आनंदविहार-गोरखपुर-आनंदविहार एक्सप्रेस 12210-09 काठगोदाम-कानपुर-काठगोदाम साप्ताहिक एक्सप्रेस 15621-22 कामाख्या- आनंदविहार-कामाख्या एक्सप्रेस

KTUN NA LIKHUN SACH
हिंदी अंग्रेजी दैनिक समाचार पत्र
दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच
को आवश्यकता है उत्तर प्रदेश . उत्तराखंड मध्य प्रदेश ,दिल्ली ,बिहार पंजाब छतीसगढ़ राजस्थान आदि सभी राज्यों से रिपोर्टर,जिला ब्यूरो विज्ञापन प्रतिनिधि की
सम्पर्क करे-9027776991

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी,डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

गायत्री महायज्ञ की आज 30 नवम्बर को निकाली गई मंगल जल कलश यात्रा

क्यूँ न लिखूँ सच -घनश्याम प्रसाद शर्मा

मध्य प्रदेश पन्ना- अगस्त मुनी सिद्धनाथ आश्रम में तीन दिनों तक चलेगा 24 कुण्डीय गायत्री महायज्ञ गंज ग्राम के गुबडो देवी मंदिर से प्रारंभ होई कलश यात्रा 15 किलोमीटर दूरी तय करके

सिद्धनाथ मंदिर पहुंची विशाल कलश यात्रा एक समय था जब सिद्धनाथ आश्रम को कोई नहीं जानता था लेकिन शासन और स्थानीय लोगों के प्रयास से इस आश्रम को एक नाम और एक उद्देश्य प्राप्त हुआ जो की सभी कोई जानने लगा सिद्धनाथ अगस्त मुनी आश्रम में लोक जन कल्याण आध्यात्मिक ज्ञान लोगों की चेतना के विकाश समरसता के उद्देश्य से। गायत्री शक्तिपीठ शान्ति कुंज हरिद्वार के तत्वावधान में अखिल गायत्री परिवार के सहयोग से 1 दिसम्बर से 3 दिसम्बर 24 कुण्डीय गायत्री महायज्ञ किया जा रहा है इसी तारतम्य में 30 नवम्बर को गंज ग्राम की गुबडो देवी मंदिर से मंगल जल कलश यात्रा निकाली गई कलश यात्रा में बड़ी संख्या में पीले वस्त्रों में महिलाएं शामिल हुई मिट्टी के जल कलश में जिसमें गायत्री मंत्र लिखा हुआ था जो कलश की शोभा बढ़ा रहे थे सभी महिलाएं कलश को शिर में धारण करके गंज सलेहा कटरा नयागांव पटना तमोली भ्रमण करते हुए 15 किलोमीटर की यात्रा कर सिद्धनाथ आश्रम पहुंचे जहां कलश यात्रा का पूजा अर्चना कर स्वागत किया गया इस बड़ी कलश यात्रा में बच्चे युवा समाजसेवी जनप्रतिनिधि गुनौर विधायक डॉ.राजेश वर्मा भी शामिल हुए एवं सभी वर्ग के सनातन धर्म प्रेमी शामिल रहे 1 दिसम्बर को शांतिकुंज हरिद्वार के आचार्य विद्वानों द्वारा सुबह 8 बजे से 24 कुण्डीय यज्ञ शाला में देव पूजन एवं यज्ञाहुतियां कराई जाएंगी सायं 3 बजे से 6 बजे तक प्रज्ञा पुराण कथा का अयोजन किया जायेगा उक्त आशय की जानकारी देते हुए मनोज केशरवानी ने बताया कि बगैर जाति भेदभाव के यह धार्मिक कार्यक्रम किया जा रहा है सभी वर्ग के लोग इस 24 कुण्डीय गायत्री महायज्ञ में भाग लेकर पुन्य लाभ ले सकते हैं पटना, कटरा, नयागांव, गंज ,सलेहा के स्थिनीय लोगों का इस महायज्ञ में बड़ा सहयोग किया जा रहा है। महिला पुरुष बच्चे युवा सभी बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं यज्ञ को लेकर क्षेत्रीय लोगों में उत्साह बना हुआ है। एवं धर्म का वातावरण निर्मित है

नेशनल प्रतियोगिता में चयन होने पर अर्पिता और प्रबल को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया

क्यूँ न लिखूँ सच

6ह्लद्ध डिस्ट्रिक्ट नेशनल शोटोकन कराते उत्तर प्रदेश प्रतियोगिता का आजोजन गायत्री इंटरनेशनल स्कूल नियर गुड़गांव देवी मंदिर में नेशनल शोटोकन और गायत्री इंटरनेशनल स्कूल द्वारा किया गया है इसमें मुख्य अतिथि स्कूल के चेयरमैन मनोज अग्रवाल , डीपीओ फर्रुखाबाद अनिल चंद्र , महिला थाना S H O पूनम ,किशोर न्याय बोर्ड से सुमन राठौर , और भोजपुरी एक्टर प्रतिष्ठा ठाकुर रहे

जिनके द्वारा विजेता खिलाड़ियों को मेडल और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया इस प्रतियोगिता में लगभग दो सौ छात्र छात्राओं ने भाग लिया जिसमे गोल्ड म्मेडल्स प्राप्त करने वालों बच्चो में क्रमश: अबुनाजीर ,दिशा भारद्वाज ,अध्या , सांवी , आयुष यादव ,अन्वी ,वंश , अहिल,अदनान ,काव्य , अलीशा। , अर्णव,आयुष ,शिवांश ,आदित्य गुप्ता गोल्ड सिल्वर मेडल्स प्राप्त करने वालों बच्चो में क्रमश: दिशू, जन्नत ,अदनान ,आराध्या ,अनिकेत ,वैभव ,अयांश , अर्पिता ,अंश , प्रिंस , आयुष , अर्णव सिल्वर और ब्रॉन्ज मेडल प्राप्त करने वालों में क्रमश: अर्णव सिंह , गर्व गुप्ता ,अग्रिम , आन्या ,इनायत ,आर्यन सिंह , कार्तिक यादव , प्रबल ,धैर्य ,रुद्र ,मृतुजया , दिव्यांशु ,शौर्य गुप्ता, गरिमा , इति यादव , ड्रास्टी, श्रुति ,आर्यन ,अमृताश ,अथर्व आदि हैं महिला थाना स् ॥ ह्र ने कहा की आज के टाइम में सभी छा त्र ओं को जरूर ही करते सिखाना चाहिए जिससे वो अपनी रक्षा कर सके और उन्होंने आत्म रक्षा के लिए बच्चो को जागरूक किया सभी अतिथियों ने बच्चो की मेहनत को सराहना की उन्होंने कहा यह स्कूल पढ़ाई के साथ साथ खेल एक्टिविटी में भी बच्चो को प्रोत्साहन करता है इनके कोच पारस भारद्वाज ने कहा यह स्कूल बच्चो का शारीरिक विकास के साथ और मानसिक विकास भी करता है जिससे बच्चे फ्यूचर में आत्म निर्भर हो सके स्कूल के डायरेक्टर देवास अग्रवाल जी ने कहा की में बच्चो को आगे बढ़ाने ने उनकी तरक्की के लिए हर संभव प्रयास करूंगा DPO अनिल चंद्र ने कहा बच्चो ने bakai काफी मेहनत की है बच्चो को और महंत करना चहिए जिससे यह बच्चे आगे बदकर अपने जिले नाम रोशन कर सके । स्कूल के प्रधानाचार्य जी ने कहा कि इस प्रतियोगिता के आयोजन के इनके कोच को बहुत बहुत बधाई और में बच्चो से कहेंना चाहूंगा की बच्चे ऐसे ही और मेहनत करे ताकि आज डिस्ट्रिक्ट स्टर प्रतियोगिता में अपना नाम किया है आगे बडकर नेशनल और इंटरनेशनल स्त्तर पर भी अपना नाम कर सके मेरा आशिर्वाद है सभी बच्चो के लिए। सुमन राठौर जी कहा की कुछ बच्चे आज विजेता हुआ हैं और कुछ विजेता नही हुआ हैं लेकिन जो बीजे ता नही हुए हैं वो और प्रयास करे और जो विजेता हुए हैं उनको बहुत बहुत बधाई। प्रतियोगिता में अभया,कृष्ण गुप्ता ,पाखी सक्सेना , उमंग तिवारी और रेफरी पुष्कर भारद्वाज और टेबल ऑफिसर शौर्य प्रताप , दीक्षा रहे ।प्रोग्राम का संचालन हर्षितमिश्र ने किया नेशनल प्रतियोगिता में चयनित होने पर अर्पिता और प्रबल को एक स्मृति चिन्ह देकर मुख्य अतिथियों ने समामैंत किया और चयनित होने की शुभकामनाएं दी ।

महंत रवींद्र पुरी बोले : पीएम मोदी लेंगे सनातन बोर्ड के गठन का फैसला, अखाड़ा परिषद भेजेगा प्रस्ताव

अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत रवींद्र पुरी ने कहा कि सनातन बोर्ड के गठन का फैसला प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लेंगे। अखाड़ा परिषद की ओर से इसका प्रस्ताव शीर्ष नेतृत्व को भेजा जाएगा। रवींद्र पुरी ने पीएम मोदी और योगी की जमकर तारीफ की। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत रवींद्र पुरी महाराज ने कहा कि 26 जनवरी को महाकुंभ के दौरान एक धर्म संसद आयोजित की जाएगी। इसमें सभी चार पीठों के शंकराचार्य और 13 अखाड़ों के प्रमुखों सहित देश भर के प्रमुख साधु-संत संगम पर एकत्र होंगे। उन्होंने कहा, संसद एक सनातन बोर्ड के गठन का प्रस्ताव शीर्ष नेतृत्व को भेजा जाएगा। कहा कि सनातन धर्म की रक्षा और उसके संवर्धन के लिए बोर्ड का गठन जरूरी है। कहा कि इस साल के महाकुंभ के लिए, योजना तीन साल पहले शुरू हुई थी, जिसमें भारत और विदेश से आने वाले भक्तों के लिए प्रसाद उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक संसाधन जुटाना शामिल था। उन्होंने कहा कि एक बार में 5,000 भक्तों को प्रसाद परोसने की व्यवस्था की गई है। महाकुंभ 2025 का आयोजन 13 जनवरी से 26 फरवरी तक प्रयागराज में होगा। इस बार टूटेंगे सभी रिकॉर्ड- रवींद्र पुरी ने कहा कि तपस्वी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सनातन का ऐसा परचम लहराया है कि देश विदेश की नजरें भारत पर आकर टिक गई हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सनातन की परंपरा को बुलंद किया है। देश के ऐसे शीर्ष नेतृत्व ही दुनिया के सबसे बड़े सांस्कृतिक महा आयोजन को साकार कर सकते हैं। दिव्यता और भव्यता के लिहाज से इस बार का महाकुंभ सबसे अलौकिक होने जा रहा है, जिसमें पुराने सभी रिकार्ड ध्वस्त होने जा रहे हैं। नया गुरु नहीं, बनाते हैं गुरु भाई -अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत रवींद्र पुरी ने निरंजनी अखाड़ा के माहात्म्य के बारे में भी विस्तार से बताया। उन्होंने बताया कि निरंजनी अखाड़ा के संत देव सेनापति कार्तिकेय का अनुसरण करते हैं। इसके अलावा यहां दीक्षा लेने के बाद सभी को गुरु भाई बनाया जाता है। यहां किसी को अलग से नया गुरु बनाने की कोई परंपरा नहीं है। हम सबके गुरु निरंजन देव जी हैं। तीन साल की मेहनत का श्रद्धालुओं को मिलेगा प्रसाद- महाकुंभ की

तैयारियों को लेकर अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद की ओर से वर्षों पूर्व तैयारी शुरू हो जाती है। इस बार के महाकुम्भ को लेकर तीन साल पहले से ही योजनाएं शुरू कर दी गईं। यहां महाकुंभ में भक्तों के प्रसाद के लिए करीब तीन साल पहले से ही जरूरी संसाधन जुटाए जाने लगे। जिसमें देश विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं को स्वच्छ और स्वादिष्ट प्रसाद का इंतजाम किया गया है। जिसमें पांच पांच हजार लोग एक पंक्ति में बैठकर महाकुंभ के पवित्र प्रसाद का आनंद लेंगे। 1008 कुंडीय यज्ञ, जड़ी-बूटियों की सुगंध से महक उठेगा समूचा महाकुंभ -अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत रवींद्र पुरी ने बताया कि इस बार के महाकुंभ को दिव्य और भव्य बनाने के लिए साधु संत भी बढ़ चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं। संपूर्ण मेला क्षेत्र सुगंधित जड़ी बूटियों के हवन से महक उठेगा। यहां सभी सनातनी एकत्र होने जा रहे हैं। महाकुंभ में दुनिया भर के संत महात्माओं का आगमन हो रहा है। जिसके लिए यज्ञ के माध्यम से संपूर्ण वायुमंडल को सुगंधित बनाए जाने की तैयारी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लेंगे सनातन बोर्ड के गठन पर फैसला- अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष ने बताया कि आगामी 26 जनवरी को महाकुंभ में धर्म संसद का आयोजन होने जा रहा है, जिसमें देश भर के प्रमुख साधु संत हिस्सा लेंगे। यहीं से सनातन बोर्ड के गठन का प्रस्ताव तैयार होगा। जिसे केंद्र सरकार के पास मंजूरी के लिए भेजा जाएगा। हम चाहते हैं कि जो भी बोर्ड बने वह केंद्र सरकार से मान्यता प्राप्त हो। साथ ही हमारी कोशिश है कि इस बोर्ड में कोई भी त्रुटि नहीं होनी चाहिए। 26 जनवरी को संगम की रेती पर चारों पीठ के शंकराचार्य, 13 अखाड़ों के प्रमुख संतों और अन्य धर्माचार्यों को आमंत्रित किया जाएगा।

राम विवाहोत्सव की धूम: जानकी महल में पांच किलो सोने के आभूषण धारण करेंगे सीताराम, भगवान का रूप बढ़ाएगा आकर्षण

रामनगरी अयोध्या में श्रीराम विवाहोत्सव की तैयारी जोरों पर है। इसके लिए खास तैयारियां की गई हैं। इस बार जानकी महल का उत्सव और भी खास होने जा रहा है।रामनगरी अयोध्या में श्रीराम विवाहोत्सव का रंग चटख हो गया है। रामनगरी के मंदिरों में राम विवाहोत्सव की परंपरा पूरे भव्यता के साथ निभाई जाती है। माता जानकी का मायका कहे जाने वाले जानकी महल की तैयारियां उत्सव की भव्यता दर्शा रही हैं। जानकी महल में राम विवाह पर विराजमान भगवान श्रीसीताराम के विग्रह को पांच किलो सोने से निर्मित आभूषण धारण कराए जाएंगे। साथ ही बरात में लखनऊ की शहनाई गूजेंगी, राजस्थान का डांस ग्रुप व भगवान के स्वरूप आकर्षण का केंद्र होंगे। रामजन्म भूमि में भगवान रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद पहली बार श्रीराम विवाह का उत्सव धूमधाम से मनाने की तैयारी है। राम नगरी के अलग-अलग मंदिरों से छह दिसंबर को राम बरात निकाली जाएगी। श्रीसीता-राम विवाहोत्सव का मुख्य उत्सव छह दिसंबर को है। रामनगरी के चुनिंदा मंदिरों में राम विवाहोत्सव पूरे भाव-चाव से मनाया जाता है। रामनगरी के श्री जानकी महल ट्रस्ट में मिथिला पद्धति से विवाहोत्सव मनाया जाता है। यहां पर भगवान राम को दुल्हा सरकार और किशोरी जी को बेटी माना जाता है।इस बार जानकी महल में उत्सव और भी खास होने जा रहा है। जानकी महल के ट्रस्टी आदित्य सुल्तानिया बताते हैं कि दिल्ली की मशहूर रामलीला जो प्राण प्रतिष्ठा के समय रामलला के सम्मुख लीला कर चुकी है। उसी लीला मंडली के 40 कलाकार चार दिनों तक रामलीला का मंचन करेंगे। दूल्हा सरकार व किशोरी जी के लिए पांच किलो सोने से निर्मित आभूषण जैसे मुकुट, हार, कर्धन आदि बनवाए गए हैं, जो उन्हें धारण कराए जाएंगे। कलकत्ता की चाय, टोस्ट व काशी के चाट का लुत्फ उठाएंगे बराती- आदित्य ने बताया कि बरात में छह बग्घी, ऊंट, घोड़े, लखनऊ की शहनाई, दिल्ली की लाइटिंग आकर्षण का केंद्र होगी। इसके अलावा बरात में विभिन्न प्रांतों के करीब एक हजार लोग शामिल होंगे। राधा, कृष्ण, शंकर पार्वती, व हनुमान के स्वरूप भी आकर्षण बढ़ाएंगे। झारखंड व राजस्थान के कलाकार प्रस्तुति देंगे। बनारस का काशी चाट भंडार इस बार भगवान राम की बरातियों की सेवा में शामिल होगा। साथ ही कलकत्ता के चाय, टोस्ट का लुत्फ भी बराती उठाएंगे। वर पक्ष की अगुवाई दिल्ली के मुरारी लाल अग्रवाल करेंगे तो वधू पक्ष जानकी महल ट्रस्ट दुल्हा सरकार व बरातियों की सेवा करेगा। वहीं करीब एक हजार लोगों को वस्त्र, कंबल, राशन व ऊनी कपड़े भेंट किए जाएंगे। फुलवारी लीला होती आकर्षण का केंद्र- उत्सव का आगाज तीन दिसंबर को रामार्चा महायज्ञ, रामलीला और गणेश पूजन से होगा। चार को फुलवारी लीला होगी। आदित्य सुल्तानिया के अनुसार राम विवाहोत्सव के दौरान जानकीमहल में फुलवारी की प्रस्तुति आकर्षण का केंद्र होती है। जानकीमहल के मुख्य आगार के सम्मुख स्थापित मनोहारी फुलवारी को जनकपुर की उस फुलवारी के रूप में प्रस्तुत किया जाता है। जहां त्रेता में श्रीराम और सीता का पहली बार आमना-सामना हुआ था। इस मौके पर रामनगरी के प्रतिनिधि चुनिंदा संत-धर्माचार्य भी आमंत्रित होते हैं जो श्रीराम के प्रसंग का आस्वाद ही नहीं लेते बल्कि अपनी वेश-भूषा और ध्यानियों जैसी भाव-भंगिमा से श्रीराम के गुरु और संरक्षक-मार्गदर्शक के रूप में ऋषि विश्वामित्र की याद भी दिलाते हैं।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए सम्पर्क करे- 9027776991

संक्षिप्त समाचार

पुलिस उपाधीक्षक रामगोपाल शर्मा पदोन्नति बाद हुई विदाई

क्यूँ न लिखूँ सच -सत्यम शर्मा

बरेली। रामगोपाल शर्मा पुलिस उपाधीक्षक प्रभारी सर्विलांस सेल, बरेली के गैर जनपद में स्थानान्तरण होने के फलस्वरूप वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कैम्प कार्यालय में विदाई समारोह के अवसर पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अनुराग आर्य द्वारा फूल माला पहनाकर उपहार व स्मृति चिन्ह भेंट कर उनके उत्कृष्ठ कार्यों की सराहना की गयी एवं उनके उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए विदा किया गया। इस दौरान पुलिस अधीक्षक नगर मानुष पारीक, सहायक पुलिस अधीक्षक प्रशिक्षणाधीन क्षेत्राधिकारी नगर प्रथम पंकज श्रीवास्तव व अन्य अधिकारी कर्मचारीगण मौजूद रहे।

श्री हरि कृपा ट्रस्ट शामली एवं श्री मंदिर हनुमान टीला हनुमान धाम प्रबंधन समिति शामली द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित

क्यूँ न लिखूँ सच -राकेश गुप्ता

शामली द्वादश ज्योतिर्लिंग प्राण प्रतिष्ठा समारोह श्री हरि कृपा ट्रस्ट शामली एवं श्री मंदिर हनुमान टीला हनुमान धाम प्रबंधन समिति शामली द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित विशुद्धनंद स्वरूप सात्विक चैतन्य द्वादश ज्योतिर्लिंग की प्राण प्रतिष्ठा के बाद 12 ज्योतिर्लिंग मंदिर का शुभारंभ पीठाधीश्वर संत उमानंद जी महाराज शुक्र तीर्थ करेंगे प्रात: 9ः00 बजे सुबह 9ः00 बजे भगवान शंकर की कथा का भव्य आयोजन परम श्रद्धेय अरविंद दृष्टा महाराज भिवानी से मंदिर प्रांगण में दोपहर 12ः00 बजे तक मां अन्नपूर्णा भंडारे के साथ दिवसीय एक विशाल भंडारे का समापन किया गया यह भंडारा सुबह से ही निरंतर चलता रहा

उलझी राजू की कहानी- देहरादून में बुजुर्ग दंपति का खोया बेटा बनकर भावनाओं से खेला, सुनाई थी राजस्थान वाली कहानी

देहरादून पुलिस के पास पहुंचकर भी राजू ने खुद को 16 साल पहले लापता होना बताया था। समाचार पत्रों में खबर प्रकाशित होने के बाद देहरादून के एक बुजुर्ग दंपति पुलिस के पास पहुंचे और राजू को अपना बेटा बताया था।लापता होने के 31 साल बाद जिस राजू के मिलने पर साहिबाबाद के शहीद नगर का रहने वाला परिवार खुशियां मना रहा था। उनकी खुशियां एक ही पल में दूर चली गईं। मामले का रुख पूरी तरह से बदल गया है। राजू को लेकर एक और खुलासा हुआ है। खोड़ा पहुंचने से पहले जुलाई 2024 में राजू उत्तराखंड के देहरादून पहुंचा था। यहां देहरादून पुलिस के पास पहुंचकर भी राजू ने खुद को 16 साल पहले लापता होना बताया था। समाचार पत्रों में खबर प्रकाशित होने के बाद देहरादून के एक बुजुर्ग दंपति पुलिस के पास पहुंचे और राजू को अपना बेटा बताया था। वहीं राजू ने भी गाजियाबाद की तरह देहरादून पुलिस को भी राजस्थान और भेड़ चराने, प्रताड़ित होने की कहानी सुनाई थी।वहीं देहरादून थाने में पहुंचते ही बुजुर्ग महिला को राजू ने गले से लगा लिया था। अपनी मां और बुजुर्ग को पिता के रूप में पहचाना। इसके बाद आठ महीने तक राजू बुजुर्ग दंपति के साथ उनका 16 साल पहले लापता हुआ बेटा बनकर रहा। अब वह गाजियाबाद के साहिबाबाद थानाक्षेत्र स्थित शहीद नगर में एक परिवार के साथ 31 साल पहले लापता हुआ उनका बेटा राजू उर्फ भीमसिंह उर्फ पन्नू बनकर रह रहा है। वहीं देहरादून की कहानी सामने आने के बाद से ही साहिबाबाद थाना पुलिस ने राजू को हिरासत में ले लिया है। उससे पूछताछ चल रही है। वहीं गाजियाबाद पुलिस की एक टीम देहरादून भी पहुंची है।गाजियाबाद पुलिस को राजू ने बताया था कि उसका 31 साल पहले अपहरण किया गया था। कहा कि उसे राजस्थान में बंधक बनाकर रखा गया था। वहां से बचकर किसी प्रकार निकला है। राजस्थान में उसे जैसलमेर में एक झोपड़ी में रखा गया था। उसका अपहरण करने के बाद उससे बकरी चरवाने का काम किया जाता था। अगर कोई गलती हो जाती थी तो उसे बुरी तरह से पीटा जाता था। राजू ने बताया कि उन्हें झोपड़ी में रखा गया था। वहां बिजली भी नहीं थी। उन्होंने लोगों के हाथ में मोबाइल फोन देखा तो है लेकिन कभी चलाया नहीं।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ बोले- असफलता से सीख लेंगे तो होंगे कामयाब

आप अपना किसी भी प्रकार का विज्ञापन प्रकाशित कराये जैसे नीलामी सूचना, बेदखली सूचना, क्रय विक्रय सूचना आदि, वो भी कम कीमत में संपर्क करे - 9077776991

सेठ आनंदराम जयपुरिया स्कूल में गोल्डन जुबली फाउंडर्स डे सेलिब्रेशन का आयोजन हुआ। जिसमें उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ व राज्यपाल आनंदीबेन पटेल सेठ शामिल हुईं। आप बच्चों को संकल्प लेना होगा। उनमें ज्ञान की जिज्ञासा, माता पिता के प्रति सम्मान, शिक्षकों के प्रति आदर होना चाहिए। यह छात्र जीवन कभी वापस नहीं आएगा। आप लोग जिज्ञासा रखें। आपके मन में करियर के लिए जो भी हो उस ओर कार्य करें। अगर आप खेल में जाना चाहते हैं तो जाएं। आपका मन जिस ओर है उस तरफ कार्य करें। समाज में जो विकार हैं उसको हटाने का एकमात्र साधन शिक्षा है। हर व्यक्ति को इसलिए शिक्षा का अधिकार दिया गया है। कभी तनाव न लें, गलतियां सभी से होती हैं। असफलता से न घबराएं। अगर आपने असफलता से सीख ले ली है तो आप जरूर कामयाब होंगे। मैं उद्यमियों से अपील करता हूं कि आप रिसर्च एंड डेवलपमेंट पर खर्चा करें। यह बातें उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कही। वह रविवार को सेठ आनंदराम जयपुरिया स्कूल के स्वर्ण जयंती संस्थापक दिवस समारोह में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि हमारे मन में सदा रहना चाहिए कि भारत जैसा कोई दूसरा देश नहीं है। आप बहुत ही भाग्यशाली हैं। भारत किसी का मोहताज नहीं है। आज देश की जीडीपी ग्रोथ आठ प्रतिशत हो गई है। मुझे बढ़ा अच्छा लग रहा है कि आज जयपुरिया परिवार के सभी लोग उपस्थित हैं। मुख्य अतिथि ने स्कूल परिसर में पौधारोपण से शुरुआत की। स्कूल के हेडबॉय, हेडगर्ल और विभिन्न हाउस के हेड बॉय व गर्ल के साथ फोटो खिंचाई। राष्ट्रगान के साथ दीप प्रज्वलन हुआ। उप राष्ट्रपति ने नए भारत के निर्माण में शिक्षा के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने देश के युवाओं की क्षमता, ज्ञान और कौशल के माध्यम से इस क्षमता का दोहन करने की आवश्यकता के बारे में बात की। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने राष्ट्र निर्माण के लिए प्रगतिशील दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने के लिए जयपुरिया स्कूल की प्रशंसा की। उप राष्ट्रपति ने औद्योगिक घरानों को रिसर्च एंड डेवलपमेंट में निवेश करने की अपील की। कहा कि वह अपने सीएसआर फंड का इस्तेमाल करें, जिससे ईडब्ल्यूएस छात्रों को बेहतर शिक्षा मिल सके। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, विधान सभा के अध्यक्ष सतीमा महाना और सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री राकेश सचान, जयपुरिया ग्रुप ऑफ एजुकेशनल इंस्टीट्यूशंस के अध्यक्ष शिशिर जयपुरिया, सलाहकार विनोद मल्होत्रा, निदेशक स्कूल और आईटी हरीश संदूजा, स्कूल प्रिसिपल शिखा बनर्जी, उप प्रधानाचार्य गणेश तिवारी मौजूद रहे। तीन मेधावी छात्रों का हुआ सम्मान- उपराष्ट्रपति ने स्कूल के तीन उत्कृष्ट विद्यार्थियों को सम्मानित किया, जिसमें ईशा अग्रवाल, मास्टर आकर्ष उमर और वेदिका गुप्ता शामिल हैं। फलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता- आनंदीबेन राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कहा कि सेठ आनंदराम जयपुरिया स्कूल के स्वर्ण जयंती स्थापना दिवस पर सभी का स्वागत है। मुझे यहां आकर आपार हर्ष हो रहा है। शिक्षा न सिर्फ मनुष्य का अधिकार है, बल्कि मैं एक शिक्षिका रही हूं जब भी मौका मिलता है मैं छात्रों से मिलती हूं। छात्र जीवन में लक्ष्य का महत्व है। इसका कोई शॉर्टकट नहीं होता। अगर आप बार-बार गिरते हैं तो डरना नहीं चाहिए। यह आपको मजबूत बनाते हैं और आप सफल होते हैं। आप मेहनत को जारी रखें। लक्ष्य के मुताबिक अपनी जीवनचर्या बनाएं। आज स्कूल के 50 वर्ष हो चुके हैं। यह स्वर्णिम अवसर है। छात्रों के साथ ही शिक्षक भी बधाई के पात्र हैं।

एकनाथ शिंदे बोले- सीएम उम्मीदवार का फैसला कल होगा, मैंने बिना शर्त भाजपा नेतृत्व को दिया समर्थन

महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव के बाद अभी तक नई सरकार का गठन और मुख्यमंत्री का नाम नहीं तय हो सका है। वहीं इस सबके बीच कार्यवाहक मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के अचानक सतारा जाने पर कई सवाल खड़े हो रहे थे। जिसके बाद आज उन्होंने खुद के सतारा जाने की वजह बताई है और ये भी बताया कि राज्य के मुख्यमंत्री को कब फैसला होगा।महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव के बाद सभी को नई सरकार के गठन और नए मुख्यमंत्री के नाम का इंतजार है। इन सबके बीच कार्यवाहक मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के अचानक सतारा जाने पर कई सवाल खड़े हो रहे थे। जिसके बाद आज एकनाथ शिंदे ने खुद के सतारा जाने की वजह बताई है। एकनाथ शिंदे ने कहा, व्यस्त चुनावी कार्यक्रम के बाद मैं यहां आराम करने आया था, मैंने सीएम के तौर पर अपने 2.5 साल के कार्यकाल में कोई छुट्टी नहीं ली। इसी वजह से मैं बीमार हुआ, हालांकि मैं अब ठीक हूं। उन्होंने आगे कहा- लोग मुझसे मिलने के लिए यहां आते हैं, यह सरकार लोगों की बात सुनेगी।सीएम उम्मीदवार का फैसला कल होगा- एकनाथ शिंदे राज्य के कार्यवाहक सीएम ने राज्य में सरकार के गठन को लेकर कहा कि, मैंने पार्टी (भाजपा) नेतृत्व को बिना शर्त समर्थन दिया है और मैं उनके फैसले का समर्थन करूंगा। पिछले 2.5 सालों में हमारी सरकार के काम इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में लिखे जाएंगे। यही वजह है कि लोगों ने हमें ऐतिहासिक जनादेश दिया है और विपक्ष को विपक्ष का नेता चुनने का मौका नहीं दिया। शिंदे ने कहा, महायुति के तीनों सहयोगी दलों में अच्छी समझ है... सीएम उम्मीदवार का फैसला कल होगा।विधानसभा चुनाव में पार्टियों का प्रदर्शन-राज्य में हाल ही में हुए विधानसभा चुनाव में मुख्य मुकाबला महायुति और महा विकास अघाड़ी गठबंधनों के बीच था। जिसमें महायुति ने बाजी मारते हुए 288 विधानसभा सीटों में से 230 सीटों पर जीत हासिल की है। इसमें भाजपा ने अकेले 132 सीट, एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना ने 57 और अजित पवार गुट की एनसीपी ने 41 सीटों पर जीत हासिल की है। महायुति गठबंधन के तीनों घटक दल भाजपा, शिवसेना और एनसीपी क्रमश- राज्य की शीर्ष तीन पार्टियां हैं। वहीं इसके उलट महा विकास अघाड़ी को 288 सीटों में से मात्र 46 सीटें ही हासिल की है। इसमें उद्धव ठाकरे की शिवसेना यूबीटी ने 20 सीट, कांग्रेस ने 16 और शरद पवार की एनसीपी-एसपी ने सिर्फ 10 ही सीटें विधानसभा चुनाव में जीती है। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में अन्य दलों का प्रदर्शन- वहीं राज्य के विधानसभा चुनाव में हिस्सा लेने वाली अन्य राजनीतिक दलों की बात करें, तो इसमें समाजवादी पार्टी ने और जन सुराज्य शक्ति ने दो-दो सीटें जीतीं हैं। जबकि राष्ट्रीय युवा स्वाभिमान पार्टी, राष्ट्रीय समाज पक्ष, एआईएमआईएम, सीपीआई (एम), पीडब्ल्यूपीआई, राजर्षि साहू विकास अघाड़ी को एक-एक सीटें मिली हैं। वहीं दो सीटों पर निर्दलीय प्रत्याशियों ने जीत हासिल की है।

मेट्रो ने तोड़ी मुख्य पाइपलाइन, दक्षिणी क्षेत्र में पानी की किल्लत, चार दिन तक नहीं होगी जलापूति

फजलगंज फायर स्टेशन के पास मेट्रो ने मुख्य पाइप लाइन तोड़ दी है। गंगा बैराज जल शोधन संयंत्र से दक्षिणी क्षेत्र में चार दिन तक पानी की आपूर्ति ठप रहेगी।यूपीएमआरसी कॉरीडोर-2 के तहत सीएसए से विजयनगर होते हुए बर्रा-8 तक मेट्रो ट्रैक बिछ्वा रहा है। शनिवार रात फजलगंज फायर

स्टेशन के पास एलिवेटेड मेट्रो ट्रैक के लिए खोदाई के दौरान वहां बिछी जलापूर्ति की मुख्य पाइपलाइन टूट गई। इससे रविवार की सुबह एक करोड़ लीटर से ज्यादा पानी सड़क पर बहने के साथ ही फायर स्टेशन में भर गया। सुबह 7-00 बजे जल निगम ने गंगा बैराज जल शोधन संयंत्र से जैसे ही पानी की आपूर्ति शुरू की, तभी फजलगंज फायर स्टेशन से दादानगर की तरफ सड़क के बीच तोड़े गए डिवाइडर और फायर स्टेशन के पास चैंबर से तेज रफ्तार से पानी बहने लगा। इससे बैंक आफ बड़ौदा रोड नहर जैसी नजर आने लगी। यातायात भी प्रभावित हो गया। होमगार्ड कृष्ण चंद्र और विजय कुमार ने मेट्रो कर्मियों को सूचना दी। करीब 11 बजे जल निगम ने पानी की आपूर्ति बंद की, फिर भी दोपहर 1-30 बजे तक पानी बहता रहा। फजलगंज फायर स्टेशन के पास मेट्रो ने मुख्य पाइपलाइन तोड़ी है। सूचना पर बैराज प्लांट से पानी आपूर्ति बंद कर दी है। दो दिसंबर से मरम्मत शुरू कराई जाएगी। कार्य में चार दिन लगेंगे, तब तक दक्षिणी क्षेत्र में पानी की आपूर्ति बंद रहेगी। हालांकि शहरी क्षेत्र में आपूर्ति होती रहेगी। - अजमल हुसैन, अधिशासी अभियंता, जल निगम

पुलिस भर्ती परीक्षा में फेल होने से आहत युवक ने फंदा लगा दी जान, परिणाम आने के बाद से था परेशान

पुलिस भर्ती परीक्षा में फेल होने से आहत युवक ने मौत को गले लगा लिया। दस दिन पहले परिणाम आने के बाद से परेशान रहता था। कोतवाली चरखारी के रिवई गांव में पुलिस भर्ती परीक्षा में फेल होने से आहत युवक ने फंदा लगाकर जान दे दी। दस दिन पहले आए परिणाम के बाद से युवक परेशान रहता था। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच करते हुए परिजनों से जानकारी ली। रिवई निवासी खिलाड़ी अहिरवार का बेटा शिवेंद्र अहिरवार (24) एक साल से पुलिस भर्ती की तैयारी कर रहा था। तीन माह पहले आयोजित पुलिस भर्ती परीक्षा में उसने पेपर दिया था। रस्सी का फंदा बना लगा ली फांसी- कड़ी मेहनत के बाद उसे परीक्षा में पास होने की उम्मीद थी। इससे वह दौड़ आदि की भी तैयारी कर रहा था। 21 नवंबर को पुलिस भर्ती परीक्षा का परिणाम जारी किया गया। जिसमें शिवेंद्र का नाम न आने से वह परेशान रहने लगा। शनिवार की रात युवक ने कमरे के अंदर पंखे के हुक से रस्सी का फंदा बनाकर फांसी लगा ली। इससे उसकी मौत हो गई। रविवार की सुबह जब परिजन कमरे में गए तो युवक का शव फंदे पर लटकता देखा। परीक्षा में फेल होने के बाद से परेशान रहता था पिता ने घटना की सूचना पुलिस को दी। मृतक के भाई धर्मेंद्र ने बताया कि शिवेंद्र पुलिस भर्ती परीक्षा में फेल होने के बाद से परेशान रहता था। दो माह पहले बेरोजगार होने पर पिता ने ई-रिक्शा दिलवाया था। ताकि, घर खर्च के साथ वह जीवनयापन कर सके लेकिन उसने यह कदम उठाया। कोतवाल प्रवीण कुमार सिंह का कहना है कि घटना की जांच कराई जा रही है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

संक्षिप्त समाचार

सेवानिवृत्त हुए उपनिरीक्षक को दी गई विदाई

क्यूँ न लिखूँ सच -प्रेमचंद जायसवाल

श्रावस्ती। पुलिस अधीक्षक कार्यालय में अपर पुलिस अधीक्षक प्रवीण कुमार यादव द्वारा उपनिरीक्षक नागरिक पुलिस अभिमन्यु सिंह के सेवानिवृत्त होने पर विदाई समारोह का आयोजन किया गया। विदाई समारोह को संबोधित करते हुए अपर पुलिस अधीक्षक ने सेवानिवृत्त हुए पुलिस कर्मी के सेवाकाल के बारे में बताया व उनकी सेवाओं और उपलब्धियों की प्रशंसा की तथा बताया कि इनका कार्य और आचरण सराहनीय रहा। अपर पुलिस अधीक्षक ने सेवानिवृत्त हुए उ0नि0 को छाता व स्मृति चिन्ह भेंट किया तथा उनके दीर्घायु होने की कामना की। तत्पश्चात प्रतिसार निरीक्षक अखिलेश कुमार, पेशकार पुलिस अधीक्षक अजय कुमार सहित अन्य पुलिस अधिकारी कर्मचारीगण द्वारा सेवानिवृत्त हुए उपनिरीक्षक का माल्यार्पण किया गया उनके दीर्घायु होने की कामना की गई।

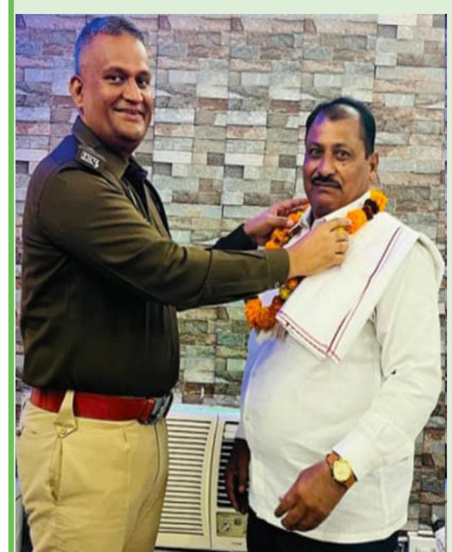

टाइगर टोगी के साथ वनक्षेत्राधिकारी राम मिलन ने जंगल में सुरक्षा का लिया जायजा

क्यूँ न लिखूँ सच -प्रेमचंद जायसवाल

श्रावस्ती। हरदत्त नगर गिरंट वनक्षेत्रा अधिकारी राम मिलन ने वनदरोगा विवेक श्रीवास्तव, वनरक्षक रामशंकर वर्मा, दैनिक श्रमिक वाचर पलटूराम यादव, विक्रम सिंह, बंगे, रक्षाराम, उदयराज यादव, अयोध्या प्रसाद, माली श्याम लाल, माली ननकऊ खां आदि सहित के साथ में टाइगर टोगी के साथ सुजानडीह बीट जंगल में कम्बिग की गई। टोगी टाइगर ने जंगल में प्रवेश की हुए लोगों को बाहर निकाल दिया। ठंड में जंगल लगे सागौन के नये कल्ले को काटकर उठा ले जाते थे इसलिए सभी वनकर्मियों ने जानवरों को चराने के लिए आ रहे लोगों को सचेत किया कि अगर किसी ने नये कल्ले काटे तो किसी को बक्शा नहीं जाएगा।

बाल विवाह के विरुद्ध जनजागरुकता अभियान

क्यूँ न लिखूँ सच -अरविंद कुमार यादव

श्रावस्ती। शासन द्वारा चलाए जा रहे बाल श्रम मुक्त अभियान व बाल विवाह रोकथाम अभियान तथा मानव तस्करी विरोधी जागरूकता अभियान के संबंध में पुलिस अधीक्षक श्रावस्ती घनश्याम चौरसिया के व अपर पुलिस अधीक्षक (नोडल अधिकारी) प्रवीण कुमार यादव के कुशल निर्देशन में थाना एएचटीयू टीम द्वारा थाना क्षेत्र सोनवा अंतर्गत कस्बों और कई गांवों में बालविवाह रोकथाम, बालश्रम रोकथाम अभियान व मानव तस्कर विरोधी जागरूकता अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान चौकी लक्ष्मणपुर क्षेत्र के ग्राम फ्तुहापुर में एक बालविवाह होने की शिकायत मिली मौके पर जाकर पूछा तो ज्ञात हुआ कि एक नाबालिग लड़की का विवाह माह दिसंबर में होना सुनिश्चित है।

परिजनों से पूछा गया तो बाल विवाह कानून से अनभिज्ञता जातायी गई। गांव के कुछ सम्मानित लोगों और टीम के समझाने पर परिजनों ने बाल विवाह न करने की शपथ ली तथा अपनी पुत्री का विवाह उसके बालिग होने के पश्चात करने का लिखित पत्र प्रस्तुत किया गया। तत्पश्चात कस्बा लक्ष्मणनगर एवं क्षेत्र के गांवों में बालविवाह, बालश्रम रोकथाम व मानव तस्करी रोकथाम अभियान करते हुए शासन द्वारा दिए गए निर्देशों से अवगत कराते हुए बालश्रम, बालविवाह न करने के संबंध में शपथ दिलाई गई ।

राम कथा में श्री राम की बाल लीलाओं का कथा सुन श्रोता हुये मंत्रमुग्ध

क्यूँ न लिखूँ सच -नीरज कुमार

कोंच । तहसील के ग्राम भेड़ के अंतर्गत आने वाले रबा में चल रही श्री रामकथा में पंचम दिवस भगवान राम की बाल लीलाओं का वर्णन कथा व्यास जगतगुरु स्वामी श्री राघवाचार्य जी के मुख से सुनकर समस्त श्रोता प्रेम मग्न हो गए। बताते चले तहसील के अंतर्गत आने वाले ग्राम रबा में चल रही श्री रामकथा एवं श्री राम महायज्ञ में कथा के पांचवें दिन श्री राम के बाल लीलाओं का वर्णन किया गया जिसमें भगवान राम के बाल्यावस्था में की गई क्रीड़ाओं और लीलाओं का वर्णन श्री राम कथा के व्यास जगतगुरु स्वामी राघवाचार्य जी महाराज के द्वारा विस्तार से किया गया। पंचम दिवस पर ग्राम रबा पहुंचे परम पूज्य जगतगुरु शंकराचार्य स्वामी वासुदेवानंद शास्त्री जी महाराज ज्योतिष पीठाधीश्वर बद्रीका धाम जी का ग्राम वासियों एवं शहीद वासियों ने आशीर्वाद प्राप्त किया। इस शुभ अवसर पर जलशक्ति मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार स्वतंत्रदेव सिंह,जिलाध्यक्ष जालौन भाजपा श्रीमती उर्विजा दीक्षित, विधायक उरई सदर गौरीशंकर वर्मा, विधायक माधवगढ़ मूलचंद निरंजन, विधायक गरौठा जवाहरलाल राजपूत जिलापंचायत अध्यक्ष जालौन घनश्याम अनुरागी, नगर पालिका अध्यक्ष कोच प्रदीप गुप्ता, नगर पालिका अध्यक्ष उरई विजय चौधरी, ब्लॉक प्रमुख नदीगांव डिंपल सिंह, ब्लाक प्रमुख कुठौंद रामू जी, किसान मोर्चा जिला अध्यक्ष श्री सूर्य नायक जी सहित कई भाजपा पार्टी के पदाधिकारी एवं हजारों की संख्या में राम कथा के प्रेमी और श्रोता उपस्थित रहे। कार्यक्रम के संयोजक एवं वर्तमान एमएलसी रमा आरपी निरंजन ने सभी का सादर धन्यवाद किया। इस समय श्री रामकथा पंडाल में हजारों की संख्या में रामकथा प्रेमियों और श्रद्धालुओं का आवागमन लगा हुआ है।

शिक्षक के बेटे की संदिग्ध स्थिति में मौत

क्यूँ न लिखूँ सच -धर्मेंद्र चौहान

अलीगढ़ के बरला थाना क्षेत्र के जलालपुर इलाके में एक युवक की संदिग्ध परिस्थिति में घर की छत से गिरकर मौत हो गई,घटना के समय वह घर पर अकेला था ! और परिवार के दूसरे लोग अपने काम से गए हुए थे, जिसके बाद मोहल्ले के लोगों ने उन्हें घटना की जानकारी दी, घटना की जानकारी मिलने पर पहुंचे, और परिवार के लोग और पुलिस तत्काल युवक को लेकर अस्पताल पहुंचे, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया ! जिसके वाद परिवार के लोगों का रो-रो कर बुरा हाल है, वहीं पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया ! इसके मौत के कारण स्पष्ट हो सके, बरला के जलालपुर निवासी देवेंद्र पाल सिंह किस है ! उनकी पत्नी सरकारी शिक्षक हैं, उनका 28 वर्षीय पुत्र शनिवार को घर पर अकेला था, देवेंद्र पाल सिंह ने बताया किवह खेतों पर काम करने के लिए गए थे और उनकी पत्नी स्कूल गई हुई थी ! इस समय उनके तीसरे नंबर का बेटा शैलेंद्र घर पर अकेला था, इसी दौरान यह हादसा हो गया, उन्होंने बताया कि उनके चार बच्चे हैं,और शैलेंद्र तीसरे नंबर का था ! उन्होंने बताया कि उनका मकान दो मंजिला है,और बेटा तीसरी मंजिल पर छत पर था ! यहीं से गिरने के कारण उसकी मौत हो गई ! हादसा जब हुआ उस समय युवक घर पर अकेला था परिवार के लोगों ने पुलिस को कोई महत्वपूर्ण जानकारी नहीं दी है ! प्रथम दृष्टता पुलिस इसे हादसा ही मान रही है,लेकिन सारे पहलुओं को ध्यान में रखते हुए मामले की जांच की जा रही है ! जिससे कि हादसे के सही करडो का पता चल सके ! बरला थाना प्रभारी ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम कर लिया गया है ! और आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है, परिवार के लोगों के बयान भी लिए जा रहे हैं ! जिस की मौत की सही वजह स्पष्ट हो सके !

हाथरस में जल भराब से परेशानी

क्यूँ न लिखूँ सच -संतोष उपाध्याय

अलीगढ़ हाथरस जिले के कर्बला रोड पर आरपीएम स्कूल जाने वाले रास्ते पर लंबे समय से जल भराव की समस्या उत्पन्न हो गई है, जिससे लोग हादसे का शिकार हो रहे हैं घुटनों तक भरा पानी न केवल यातायात में रुकावट डाल रहा है ! बल्कि स्कूली बच्चों को भी आने-जाने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है, जल निकासी न होने के कारणयह समस्या महीनो से बनी हुई है !

आज स्थानीय लोगों ने जनप्रतिनिधियों का पुतला फूकते हुए जोरदार नारेबाजी की और जल भराव को जल्द से जल्द खत्म करने मांग की, इस जलभराब के कारण कर्बला रोड स्थित क्षेत्रीय निवासी और स्कूली बच्चे गंभीर संकट में है, गंदे पानी के कारण लोग अपने घरों और प्लॉटो में भी परेशानी महसूस कर रहे है, क्योंकि यह पानी उनके घरों मे घुस रहा है ! स्थानीय लोगों का कहना है के उन्होंने कई बार जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों से इस समस्या का समाधान करने की गुजारिश की, लेकिन अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाये गए हैं ! गंदे पानी की वजह से संक्रामक रोग फेलने का भी खतरा बढ़ गया है, जिससे इलाके के लोग चिंतित हैं ! स्थानीय निवासियों ने इस गंभीर समस्या के समाधान की अपील करते हुए अधिकारियों से जल भराव की शीघ्र निकासी की मांग की है, ताकि इलाके मे स्वास्थ्य और सुरछा के हालात सुधर सके !

भाजपा ने लल्लाधाम मे सक्रिय सदस्यता एवं संगठनात्मक चुनाव कार्यशाला का किया आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच -नीरज कुमार

उरई (जालौन)। भारतीय जनता पार्टी ने संगठन पर्व की सक्रिय सदस्यता एवं संगठनात्मक चुनाव कार्यशाल लला धाम गेस्ट हाउस अजनारी रोड पर सम्पन्न की जिसके मुख्य अतिथि सुभाष त्रिपाठी विधायक प्रयागपुर रहे जिन्होंने आज जिला चुनाव अधिकारी के रूप मे आगामी मंडल अध्यक्षों के चुनाव हेतु निर्देश दिए उन्होंने बताया कि मंडल अध्यक्ष के चुनाव 2दिसंबर से 15दिसंबर तक चुनाव संपन्न कराकर नए मंडल अध्यक्ष बनाए जाने है जिसमें मंडल चुनाव अधिकारी मंडल में जाकर मंडल अध्यक्ष के चुनाव संपन्न कराने जाएंगे मंडल अध्यक्ष का पैनल बनाकर जिला स्तर पर पर जमा करेंगे वह पैनल क्षेत्रीय कार्यकाल पर जाएगा जिसके बाद प्रदेश स्तर से मंडल अध्यक्ष की घोषणा की जाएगी मंडल अध्यक्ष के चुनाव के लिए दो बार का सक्रीय सदस्य होना अनिवार्य है एवं 45वर्ष से अधिक उम्र न हो जो मंडल अध्यक्ष दो बार के मंडल अध्यक्ष है वह तीसरी बार आवेदन नहीं करेंगे क्योंकि तीसरी बार मंडल अध्यक्ष नहीं बनाया जाएगा जिस मंडल में 75प्रतिशत बूथ अध्यक्ष बन चुके है उन्हीं मंडलों में चुनाव संपन्न कराए जाएंगे कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष उर्विजा दीक्षित ने की मुख्य रूप से उपस्थित सदर विधायक गौरी शंकर वर्मा घनश्याम अनुरागी संजीव उपाध्याय जगदीश तिवारी विवेक कुशवाहा नीरज दुबे जिला उपाध्यक्ष देवेंद्र यादव रामजी राजावत दिलीप दुबे अग्निवेश चतुर्वेदी रविंद्र प्रताप मनोज यादव वीर प्रताप सभी मंडल अध्यक्ष मंडल प्रभारी जिला पदाधिकारी एवं वरिष्ठ कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

तेज रफ्तार लोड़र ने बाईक मे मारी टक्कर हादसे मे महिला समेत तीन घायल

क्यूँ न लिखूँ सच -नीरज कुमार

उरई। रविवार को झांसी-कानपुर नेशनल हाईवे-27 पर रफ्तार का कहर देखने को मिला। यहां एक लोडर ने बाइक में टक्कर मार दी। हादसे के बाद लोडर और बाइक खंदक में जा गिरी। हादसे में महिला सहित तीन लोग घायल हो गए। हादसे की जानकारी मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची। जिन्होंने सभी घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। जिनका इलाज चल रहा है। घटना आटा थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले झांसी कानपुर नेशनल हाईवे-27 स्थित भभुआ मजार के पास की है। बताया गया कि कुठौंद थाना क्षेत्र के मडोरा की रहने गुड्डी देवी अपने पुत्र शिवम के साथ आटा थाना क्षेत्र के पिपराया में मायके आई हुई थी। रविवार की सुबह वह अपने पुत्र के साथ ससुराल बाइक से वापस जा रही थी। जैसे ही वह झांसी कानपुर नेशनल हाइवे स्थित-27 स्थित भभुआ मजार के पास पहुंची। तभी पीछे से आ रहे लोडर ने बाइक में टक्कर मार दी। जिससे लोडर और बाइक सड़क किनारे खंदक में चले गए। जिससे बाइक सवार मां-बेटा सड़क पर गिरकर खून से लथपथ हो गए। वहीं लोडर चालक को भी गम्भीर चोट आई। बताया गया कि लोडर चालक को झपकी लगने से यह हादसा हुआ है। वहीं इस हादसे के बाद हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने सभी घायलों को एम्बुलेंस की मदद से तुंरत उरई अस्पताल में भर्ती कराया। जिनका इलाज चल रहा है।

जाइलो कार व सवारी से भरी टेंपो में जोरदार टक्कर पांच की मौत अन्य कई घायल

क्यूँ न लिखूँ सच -प्रेमचंद जायसवाल

श्रावस्ती। जनपद श्रवस्ती में भीषण सड़क हादसे के दौरान पांच लोगों की मौत हो गई जबकि अन्य कई लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। जिन्हें जिला चिकित्सालय बहराइच के लिए रेफर किया गया। मामला थाना क्षेत्र इकौना के मोहिनीपुर चौराहा जमुनहा गांव के पास तेज रफ्तार जाइलो कार अनियंत्रित होकर सवारियों से भरी टेंपो को टक्कर मार कर खाई में जा गिरी। जिससे टेंपो में सवार करीब आधा दर्जन सवारियां गंभीर रूप से घायल हो गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को एंबुलेश से सीएससी इकौना लाया गया। जहां चिकित्सकों के द्वारा प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर होता देख संयुक्त जिला चिकित्सालय भिनगा व कुछ को जिला चिकित्सालय बहराइच के लिए रेफर कर दिया। जबकि इस सड़क हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई। जिनमें से रफीक पुत्र इदरीश थाना क्षेत्र गिलौला, ननके यादव उम्र 45 पुत्र मंगल प्रसाद यादव बरई गांव, लल्लन पांडे पुत्र सूबेदार पांडे निवासी पांडे पुरवा थाना इकौना, मुरलीधर निवासी धरसवा जिला बहराइच तथा अयोध्या प्रसाद थाना क्षेत्र गिलौला की मौके पर मौत हो गई। मौत की इस खबर से पूरा क्षेत्र शोक में डूबा हुआ है।

संक्षिप्त समाचार

खाद को लेकर प्रशासन के दावो की खुली पोल,कृषि विभाग की ?संयुक्त कार्यवाही मे पकड़ी गयी खाद

क्यूँ न लिखूँ सच -नीरज कुमार

उरई (जालौन)। जनपद जालौन में खाद को लेकर प्रशासन के दावों की पोल उस समय खुलती दिखाई दी जब कृषि विभाग के अधिकारी व एसओजी टीम ने मुखबिर की सूचना पर एक गोदाम में छापामार कर नकली खाद बरामद के साथ ही एक दर्जन लोगों को हिरासत में पूछताछ की जा रही है। जिला प्रशासन ने नकली खाद बनाने वालों पर की कार्रवाई, कृषि विभाग ने कई खाद भंडार, गोदामों पर छापा मारकर भारी मात्रा में नकली खाद की बोरियां बरामद, जिप्सम की मदद से बनाई जा रही थी नकली खाद जिसमें इफको कंपनी की खाद बोरी में नकदी खाद भरकर बेच रहे थे खाद विक्रेता, कृषि विभाग ने कई गोदामों को किया सील, पुलिस ने एक दर्जन से अधिक लोगों को हिरासत में लिया, खाद को लेकर प्रशासन के दावे खोखले, घंटो लाइन में लगने के बाद भी नही मिल रही किसानों को खाद, मिलावटखोर बड़ी संख्या में सक्रिय, बेच रहे नकली खाद, किसानों के साथ हो रही बड़ी धोखाधड़ी, नदीगांव, उरई सहित कई इलाकों में क़ी जा रही छापेमार कार्रवाई।

सी सी रोड का पालिकाध्यक्ष प्रदीप गुप्ता ने किया भूमि पूजन

क्यूँ न लिखूँ सच -नीरज कुमार

कोंच(जालौन) आज वाहन पार्किंग यार्ड से गौशाला मोड़ तक सी सी रोड का भूमि पूजन कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमे मुख्य अतिथि नगर पालिका परिषद कोंच के अध्यक्ष प्रदीप गुप्ता ने विधि विधान भूमि पूजन किया और निर्माण कार्य किये जाने की बात कहीं इस अवसर पर पालिकाध्यक्ष प्रदीप गुप्ता ने कहा की इस जगह पर लोगो को आने जाने मे काफी दिक्कत होती थी और वाहन आदि भी निकल नही पाते थे लेकिन जनता की मांग पर यह सी सी निर्माण कार्य का कार्य शुरू हो गया है और जल्द ही आवागमन सुचारु रूप से चालू हो जायेगा इस अवसर पर इलाके के सभासद गौरव तिवारी, सभासद नरेश कुशवाहा साहित्यकार संतोष सरल नगर पालिका के ब्रांड एम्बेसडर ई राजीव रेजा, ठेकेदार संजय अग्रवाल, प्रकाण्ड विद्वान अशोक चंसौलिया का माल्यार्पण ठेकेदार मयंकमोहन गुप्ता संजय गुप्ता, मुहम्मद वशीर सहित कई लोग मौजूद रहे

राज्य स्वास्थ्य मंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल ने पीथमपुर के अस्पतालों का किया ओचक निरीक्षण

क्यूँ न लिखूँ सच -प्रदीप द्विवेदी

पीतमपुर सेक्टर - सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र डाक बंगला पर राज्य स्वास्थ्य मंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल ने निरीक्षण किया जिसमें उन्होंने बताया कि आज एड्स दिवस के उपलक्ष में अध्यक्ष राष्ट्रीय

अध्यक्ष जेपी नड्डा इंदौर आए हुए थे जिसके दौरान हमने इंदौर के कई स्वास्थ्य सामुदायिक केदो पर भ्रमण किया और धार जिले में भी कई अस्पतालों का निरीक्षण कर पीथमपुर आए जहां पर स्वच्छता पर देखकर काफी प्रसन्नता हुई माननीय नरेंद्र मोदी जी के स्वच्छता मिशन को धरातल तक हमारे डॉक्टर भी पहुंचा रहे हैं उनकी कड़ी मेहनत देखकर काफी सराहना भी की और भविष्य में जन सेवा को लेकर प्रेरित किया वहीं पीथमपुर को आगामी समय कई बड़ी सौगात देने का भी प्रण लिया। साथ ही सागौर खेड़ा के शासकीय अस्पताल का निरीक्षण कर भोपाल के लिए रवाना हुए। इस मौके पर स्वास्थ केंद्र पीथमपुर प्रभारी डॉ ऋतु चौरे डॉ अनिल डॉ सुनील कुरील स्टाफ जितेंद्र मंडलोई रविंद्र जोशी वैभव सिंह अभिषेक प्रेम सोलंकी मौजूद रहा ।

Spinach strengthens bones and removes anemia, include it in your diet in winter

There is a lot of green vegetables in the market during the winter season. One of them is spinach. Eating spinach in winter provides many benefits to the body. It not only strengthens the bones but also helps in maintaining good heart health. Spinach contains nutrients like iron, calcium, magnesium, folic acid, vitamin A and C. Bones become stronger by eating spinach in winter. Eating spinach increases immunity. Spinach is full of nutrients. Winter has started. Many people like to eat a lot in winter. Be it street food or delicious dishes made at home. As much as we feel like eating in winter, we also have to take care of our health. As soon as the winter season arrives, there is a glut of green vegetables in the market. Spinach is considered the most special among these green vegetables. Spinach is not only great in taste, but it is also no less than a panacea for health. Eating spinach in winter provides warmth to the body. Spinach is also helpful in increasing immunity. We are going to tell you about the benefits of eating spinach in winter. Let us know in detail- Spinach is rich in nutrients- Spinach contains nutrients like iron, calcium, magnesium, folic acid, vitamin A, C. Therefore, if we include spinach in our diet in winter, the body gets energy. Along with this, weakness also goes away. Makes bones strong- Spinach is rich in calcium and vitamin K. Which helps in strengthening bones. The problem of joint pain increases in the cold season. In such a situation, spinach can be helpful in relieving pain. Increases immunity- Most people start having problems like cold and cough in winter. In such a situation, vitamin C and antioxidants present in spinach help in increasing immunity. If you start eating spinach regularly, then the body becomes capable of fighting diseases. Beneficial in weight loss: Eating more food in winter leads to weight gain. Spinach is low-calorie and high-fiber, which can help in weight loss. You can include spinach in your diet in the form of juice or soup. Removes anemia: Iron is found in spinach, which helps in making blood. Actually, the need for iron-rich diet increases during winter days. In such a situation, we should include spinach in our diet. Spinach helps in removing anemia. Keeps the heart healthy - Elements like potassium and nitrate are found in spinach. These help in controlling blood pressure. Spinach also improves heart health. Which reduces the risk of heart attack.

A case of deadly Japanese Encephalitis has surfaced in Delhi, know the symptoms and prevention methods

A case of Japanese Encephalitis virus has surfaced in Delhi. However, the patient has been discharged after giving proper treatment. Experts have described this disease as fatal. Talking about the year 2024, 1548 cases have been reported in 24 states of India. This disease directly affects the brain. Vaccine is available to prevent it. 925 cases of Japanese Encephalitis have been found in Assam alone. If symptoms are seen or felt, consult a doctor immediately. The disease spreads due to the bite of Culex species mosquitoes. The air of Delhi has become poisonous. In such a situation, serious effects are being seen on the health of the people. Amidst all this, a case has come to light in Delhi which has created the same fear in the minds of people as was the case with the arrival of Corona. Actually, a case of a disease called Japanese Encephalitis has come to light in the capital of India, Delhi. This disease spreads through mosquito bites. It has a deep effect on the brain. Let us tell you that this disease has been confirmed in a 72-year-old man of West Delhi. He was admitted to AIIMS on 3 November. The patient admitted in the hospital was suffering from diabetes and other diseases. However, he was discharged from the hospital on 15 November after treatment. Although this is an "isolated" case, experts are advising to take it seriously. Japanese encephalitis is a viral infection. Government officials have advised to adopt vaccination, protection from mosquitoes and cleanliness to prevent Japanese encephalitis. He has assured that the situation is under control and there is no need to panic. Sources told news agency PTI that Japanese encephalitis is a viral infection caused by the Japanese encephalitis virus. This virus is mainly spread by the bite of mosquitoes, especially Culex species. These are the symptoms Fever Headache Vomiting Seizures Paralysis 1,548 cases were reported in 2024 Japanese encephalitis infection directly affects the brain. This disease is more common in rural areas of Asia. It is at its peak when the monsoon season arrives and mosquito breeding increases. According to the data of 2024, 1,548 cases have been reported from 24 states and union territories of India. 925 cases were registered in Assam alone. However, symptoms are not seen in every infected person in this disease. This disease can also be fatal. In many cases, it has happened that the patient showed mild symptoms and he recovered quickly. However, in severe cases, this disease can also kill the patient. Vaccination can be the best way to prevent Japanese Encephalitis. Since 2013, the government has included the vaccine against Japanese Encephalitis in the Universal Immunization Program. Vaccine is also available for adults in areas where more cases of this disease have been found. Consult a doctor when symptoms appear. If you want to prevent this disease, protect yourself from mosquitoes. You can use mosquito nets at home. Do not let water remain stagnant anywhere. If you see or feel any symptoms, go to the doctor immediately. Take necessary advice from them. The Health Ministry has taken all necessary health steps under the guidelines of the National Center for Vector Borne Disease Control (NCVBDC).

Have you ever wondered why turmeric-saffron milk is drunk on the first night of marriage? The reason behind this ritual is very special

Marriage is considered an important tradition in Hinduism, many customs are performed to complete it. Many rituals are performed during marriage, one of which is drinking saffron or turmeric milk on the first night of marriage. This practice has been going on for centuries but very few people know the reason behind it (Saffron milk tradition in First Wedding Night). Many rituals are performed during marriage. One of these is drinking turmeric milk on the first night of marriage. However, but very few people know the reason behind this practice. The wedding season has started and these days everyone is busy preparing for the wedding. Marriage is a very special moment in a person's life. Also, it is an important and centuries-old tradition, which is still considered very important. Marriage is done in many ways in India. Every religion and sect has its own customs. Many such rituals are completed during the wedding, the logic behind which many people do not know till date. One such ritual is to drink milk on the first wedding night (First wedding night milk tradition). You must have often seen the groom drinking milk on the first night of marriage in TV serials or films and even in real life, but have you ever wondered why milk is drunk on the wedding night? Why is saffron milk sent for the groom on the first night of marriage (Saffron milk significance)? If you also do not know the reason for this, then today in this article we will tell you the real reason behind it- In Hinduism, marriage is considered very important and a sacred bond, while doing which many rituals and customs are completed. Feeding milk on the first night of marriage is one of these rituals. This is an old tradition, which has been going on for many years. It is believed that the first night after marriage is the foundation of the married life of the husband and wife and on this special occasion, saffron milk is drunk with the aim of adding sweetness to the married life. At the same time, some people also drink turmeric milk on this occasion, because turmeric is considered an indicator of auspiciousness and purity. In such a situation, turmeric milk is drunk to bring happiness and purity in married life after marriage. Why only saffron or turmeric milk? Milk and saffron are used on many occasions in Hindu tradition. This is because according to customs, milk is considered very auspicious and that is why milk is drunk on the first night of marriage i.e. Suhaagraat, so that the married life has an auspicious start. At the same time, there is also a scientific reason behind this tradition. Actually, turmeric and saffron have been used as an aphrodisiac for centuries. Adding saffron or turmeric to milk rich in tryptophan helps the newly weds couple to relieve stress. It also helps in relieving anxiety and depression. In such a situation, drinking it on the first night of marriage makes the atmosphere pleasant. How did this tradition start? Drinking milk is mentioned in Kamasutra. Actually, it is believed that it gives energy and stamina for sex. In such a situation, milk containing saffron or turmeric is given on the first night of marriage to make the couple's experience better.

Those 5 superstars of South Cinema, in front of whom fans forget Bollywood stars

Most of the stars of South Cinema get a lot of love from the fans. People like to watch the films

of some superstars more than Bollywood celebs. Today we are talking about those 5 popular stars whose films also rule the box office. This list includes the names of big stars of South Cinema. 5 Popular Superstars of South Cinema Some stars of South Cinema compete with Bollywood stars The films of these South stars rule the box office There are some stars of South Cinema who have made their own identity in Bollywood as well. Popular stars of B Town are not able to compete with them through their films. Talking about fan following, they are not at all behind the stars of Hindi cinema in terms of followers on social media. Let us know about these superstars in detail. Rajinikanth - Rajinikanth's name is taken with respect among the stars of South Industry. Before working in the film world, he has worked as a bus conductor. He is known as Thalaiva in South cinema. Not only this, his style and dialogue delivery style is very different. Popular films of the South superstar include films like Boss, Shivaji, Enthiran. Pushpa film has increased the popularity of Allu Arjun. He started his career in 2003 with the Telugu film Gangotri. He is also known as a stylish star in the industry. Fans are crazy about Allu Arjun's dancing style and charming looks. His hit films include many films like Pushpa: The Rise and Arya. Prabhas is known as the superstar of the Telugu film industry. He started his film journey with the film Eeshwar in the year 2002. Prabhas also got popularity worldwide for the character of Bahubali. According to media reports, Prabhas is one of the highest paid stars of India. Yash (KGF Fame) Yash is one of the biggest stars of the Kannada film industry. His real name is Naveen Kumar Gowda. He started his career in the year 2008. However, Yash got real recognition among the people from KGF: Chapter 1 and KGF: Chapter 2. Fans like his acting style and do not make the mistake of missing his films. Kamal Haasan Kamal Haasan's name is also included in the list of popular South stars. He started his career as a child artist. He got recognition in the industry as an actor, director, singer and writer. Apart from acting, he is also active in politics.

'It is better than doing nothing...' After Ananya Panday, her sister Rysa also accused of nepotism

Ananya Panday is always trolled for nepotism. Now her sister Rysa Panday has also come under the target of trollers. Rysa's CV is going viral on social media. Let's know what is there in it that Chunky Pandey's daughter is facing trolling. After Ananya, Rysa Pandey got trolled

Rysa Pandey was accused of nepotism Rysa Pandey is going viral on social media Rysa's CV is going viral on social media Most of the stars have to face online trolling. Nepotism is a word in Bollywood, which is most used for star kids. Recently, Chunky Pandey's daughter Ananya had objected to the negative presentation of the word star kids. Meanwhile, her sister Rysa Pandey has come under the target of trollers. Chunky Pandey and Bhavana's younger daughter Raisa was seen in season 2 of her mother's reality show The Fabulous Lives of Bollywood Wives. Everyone knew that she was doing a film making course at NYU Tisch School of Arts, but now her CV is going viral on Instagram. Let's know what is written in her resume. Raisa came under the target of haters Raisa has come under the target of haters for her LinkedIn profile. Actually, her CV shows internship experience in three popular production houses. In this, the experience of working in Shah Rukh Khan and Gauri Khan's production house Red Chillies Entertainment, Excel Entertainment and Zoya Akhtar's Tiger Baby is clearly visible. In its caption, the user wrote that 'Ah, the same old nepotism.' After this comment, a debate on nepotism has erupted on social media. Fans defended Ananya's sister - The post of the user who commented on Ananya's sister's profile is going viral. Fans are seen defending Raisa. Rejecting the allegations of nepotism, a user wrote, 'If I were the child of a star kid, I would definitely take advantage of the opportunity I get.' Another said, it is better than doing nothing. Another user questioned, 'You want her to turn down work opportunities.' Raisa's sister Ananya Pandey started her career with Dharma Production's film Student of the Year 2. Talking about the upcoming project, she will be seen in a Karan Johar film with Akshay Kumar. Let us tell you that Ananya talked about using the word star kid as an insult in Raj Shamni's podcast.

These 7 web series have been watched the most on OTT, have you missed them?

The world of OTT has given many options to the audience for entertainment. Be it series or movies, people like to enjoy them sitting at home. Today we are talking about those popular web series (OTT Popular Web Series) whose all seasons were liked by the audience and their upcoming part is being awaited. Some series on OTT have received a lot of love from the audience. From Panchayat to Aspirants, the name of the series is included in this list. You must watch these 7 series on OTT. People like to entertain themselves through OTT platform. People can enjoy web series, shows and movies sitting at home. It is away. Today we are talking about those popular series, Perhaps you must have also seen these web series. Both superhit web series Aspirants has received a good response. Dubey and Shivankit Parihar have played lead roles in it. has been given a 9.2 rating on IMDb. If you have not seen The Panchayat series has also received a lot of love from released and work is going on on its fourth season. Actors and Chandan Roy have worked in this web series. The named Phulera. Let us tell you that the Panchayat series Kota Factory is also included in this list. Three seasons of in June this year. However, all three seasons have been given this popular series a rating of 9.0, which is given only - The Family Man is also included in Manoj Bajpayee's If reports are to be believed, the shooting of its third season

said that after OTT, entertainment for people is just a button whose all seasons have received the love of the audience. seasons of Aspirants were liked by the audience. TVF's Stars like Naveen Kasturia, Abhilash Thapliyal, Namita Both seasons of the series have proved to be hits. Aspirants this series yet, then you can watch it on Amazon Prime. the audience. So far, three seasons of the series have been like Jitendra Kumar, Neena Gupta, Sanvika, Faizal Malik series shows an interesting story of a village panchayat has got a 9.0 rating. The name of Netflix's popular series the web series have been released. The third season came successful in winning the hearts of the audience. IMDb has to successful series. The Family Man has got a good rating popular series. A total of 2 seasons of this have been released. is going on, which can be released by 2025. This series has attracted the attention of the audience, which can be gauged from the 8.7 rating received by the web series. Nawazuddin Siddiqui's Sacred Games Series - Nawazuddin Siddiqui made his OTT debut through the Sacred Games series. Its two seasons have been released and both have received the love of the audience. At present, fans have been waiting for the third season of the web series for a long time. This series has been rated 8.5 on IMDb. The story of the Asur series was liked - Two seasons of the Asur series have been released. Its first season came on Voot on 2 March 2020. At the same time, Asur 2 was released on Jio Cinema in the year 2023. Arshad Warsi starrer Asur got 8.5 rating on IMDb. Pankaj Tripathi's Mirzapur Series- Pankaj Tripathi's popular series Mirzapur has been watched a lot on Prime Video. This web series remains a favorite of the audience for comedy and suspense. IMDb has given Mirzapur an 8.4 rating. A total of three seasons of this have come and all its parts have been liked by the audience.